हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, सोमवार, 7 जुलाई 2025

तापमान
अधिकतम 37 .6 डिग्री
न्यूनतम 25 .8 डिग्री

11 आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वर्तमान दौर की सबसे ..

12 राज्यसभा सांसद ने खेड़ी महम में किया चौपाल का ..

खबर संक्षेप

सांपला से युवती गायब मामला दर्ज

सांपला। कस्बे में पिता के साथ सामान लेने आई एक युवती गायब हो गई। पुलिस ने युवती की माता के बयान पर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि वे बिहार के रहने वाले हैं। मेरा पति सांपला में नौकरी करता है। शाम सात बजे उसकी लड़की अपने पिता के साथ बाजार में सामान लेने गई थी। अचानक गायब हो गई। कहीं सुराग नहीं लगा है।

13 जुलाई को कैथल में होगी हाफ मैराथन

रोहतक। 13 जुलाई को कैथल में हाफ मैराथन आयोजित की जाएगी, जिसमें युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूक किया जायेगा। धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि इस मैराथन को लेकर तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। मैराथन की शुरुआत कैथल में अंबाला रोड स्थित लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह से होगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मैराथन को हरी झंडी देकर रवाना करेंगे। मैराथन में भाग लेने के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया जारी है। कोई भी आमजन वेबसाइट www.kaithal-halfmarathon.com पर जाकर अपना पंजीकरण कर सकता है।

डॉ श्यामा प्रसाद की जयंती पर पौधरोपण

सांपला। खंड के कंसरेटी गांव में रविवार को बीजेपी ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती मनाई गई। प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल ने उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर उन्होंने डॉ श्यामा प्रसाद की जीवनी पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डॉ, के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।उनका बलिदान आजाद भारत का पहला राजनीतिक बलिदान है जो देश के लिए हुआ।इस अवसर पर उन्होंने मां के नाम एक पौधा रोपण भी किया। अन्य लोगों ने भी पौधे लगाए। पूर्व सरपंच प्रदीप कुमार, ऋषिपा सहित कई लोग मौजूद थे।

सप्लाई चैन के लिए 15 तक करे आवेदन :डीसी

रोहतक। कृषि तथा किसान कल्याण विभाग द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए फसल अवशेष प्रबंधन स्कीम के अंतर्गत धान सप्लाई चैन हेतु इंडस्ट्री के लिए आवेदन आमंत्रित किए है। इच्छुक इंडस्ट्री योजना का लाभ लेने के विभागीय पोर्टल www.agri-haryana.gov.in पर 15 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। डीसी धर्मेन्द्र सिंह ने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन योजना के तहत धान सप्लाई चैन स्थापित करने के लिए व पराली के प्रबंधन के लिए इंडस्ट्री को 65 प्रतिशत क्रेडिट लिंक अनुदान उपलब्ध करवाया जाएगा।

पैरोल पर आए आरोपियों ने पुलिस पर किया हमला

रोहतक। बहु अकबरपुर थाना प्रभारी नीरज कुमार ने बताया कि 25 जुलाई को थाना बहु अकबरपुर की टीम ने पैरोल पर आए आरोपियों की चेकिंग के दौरान गांव मोखरा खास आउटर बाइपास के पास मौजूद थी। आरोपी रोहित उर्फ राजा निवासी मोखरा खास के मकान के पास पुलिस को दो गाड़ी बोलेरो व ब्रेजा खड़ी दिखाई। मकान से 4 युवक अचानक से मकान के बाहर आए और बाहर खड़ी दोनों गाडियों में सवार होकर भागने लगे। पुलिस टीम ने गाड़ी रुकवाने का प्रयास किया तो बोलेरो गाड़ी चालक ने जान से मारने की नीयत से गाड़ी पुलिस टीम पर चढ़ा दी। पुलिस टीम ने अपना बचाव किया व भाग रहे युवकों का गाड़ी से पीछा किया। पुलिस ने तुंरत बोलेरो गाड़ी का पीछा किया। बोलेरो चालक ने तेज गति से गाड़ी को पुलिस की गाड़ी की तरफ मोड़ दिया। पुलिस टीम ने अपनी गाड़ी का बचाव किया और बोलेरो गाड़ी बिजली के पोल से टकरा गई। बोलेरो गाड़ी में सवार दोनों युवक गाड़ी से उतरकर खेतों की तरफ भाग गए।

प्रदर्शन ● वियतनाम में आयोजित अंडर 17 एशियन कुश्ती चैंपियनशिप में चमका

रोहद के अर्जुन ने एशियन चैंपियनशिप में जीता गोल्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

वियतनाम में आयोजित अंडर 17 एशियन कुश्ती चैंपियनशिप में रोहद के अर्जुन रुहल 92 केजी फ्रीस्टाइल में गोल्ड मेडल जीतने के बाद उस मिन्नी कुश्ती दंगल में पहुंचे जहां 9 साल की उम्र में 10 रुपये की पहली कुश्ती जीती थी। इसी दंगल से उनका कुश्ती के प्रति लगाव बढ़ता चला गया और इस मुकाम तक पहुंच गए। अब अर्जुन जूनियर व सीनियर प्रतियोगिताओं के लिए आगे तैयारी करेगा और उसका लक्ष्य कॉमनवेल्थ ओलंपिक देश के लिए मेडल हासिल करना है। कुश्ती दंगल में पहुंचने के बाद कुश्ती करवाने वाली कमेटी ने 11000 देकर अर्जुन का सम्मान किया। 2017 में महीने के पहले रविवार को रोहतक जिले के सांपला कस्बे में छोटे बच्चों के लिए एक मिनी कुश्ती दंगल की शुरुआत हुई। जब पहले दंगल हुआ था तो एक 9 साल का बच्चा 10 रुपये इनाम की कुश्ती जीत कर बहुत खुश हुआ और वह उसका पहला कुछ थी दंगल था और इसी बच्चे ने वियतनाम में आयोजित अंदर 17 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप 92 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वेट कैटेगरी में गोल्ड मेडल हासिल किया है। उसी गोल्ड मेडल को जीतने की खुशी के साथ-साथ अर्जुन उस दंगल को नहीं भूला जहां से उसने अपनी कुश्ती की शुरुआत की थी। आज इस दंगल में पहुंचकर आयोजनकर्ताओं का आशीर्वाद लिया। वही दंगल कमेटी ने भी 11000 रुपये देकर अर्जुन को सम्मानित किया। अर्जुन का कहना है कि उनका लक्ष्य जूनियर व सीनियर प्रतियोगिता के अलावा कॉमनवेल्थ तथा ओलंपिक गेम में देश के लिए मेडल जीतना है और इसी तरह के कुश्ती दंगलों से पहलवान निकलते हैं। जिसका उदाहरण व उनके सामने खड़े हैं। इस दंगल को शुरू करवाने वाली कमेटी अर्जुन की उपलब्धि पर काफी खुश है और उनका कहना है कि अर्जुन ने मेडल जीता है। यह उनके लिए ही नहीं गांव या आसपास के लिए सबसे बड़ी खुशी है। दंगल कमेटी के सदस्य जोगेन्दर पहलवान, अश्वनी पांचाल, मनोज, डॉक्टर राजबीर, प्रवीण कोच, अंग्रेज नम्बरदार, विक्रम मास्टर, विजय, दिनेश मौजूद रहे।

नवीन दलाल ने चीन में आर्चरी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता

रोहतक। भारत के लिए एक और गर्व का क्षण तब आया जब पैरा तीरंदाज नवीन दलाल ने बीजिंग, चीन में आयोजित एशियन पैरा आर्चरी चैंपियनशिप 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए डब्ल्यू 1 पुरुष वर्ग में कांस्य पदक अपने नाम किया। नवीन दलाल भारतीय तीरंदाजी संघ द्वारा आयोजित ट्रायल में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राष्ट्रीय टीम में चुने गए थे। उन्होंने 29 जून से 7 जुलाई तक बीजिंग में आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार संघर्ष के साथ कांस्य पदक प्राप्त किया। हरियाणा के साहसी और संघर्षशील तीरंदाज नवीन दलाल ने न केवल अपनी क्षमता का परिचय दिया, बल्कि यह भी साबित किया कि सच्ची लगन और मेहनत से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। उनका यह पदक न केवल उनके लिए बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणा का स्रोत है। इस अवसर पर सैनिक स्कूल सिंहपुरा के चेयरमैन अशोक दलाल और तहसील कार्यालय में कार्यरत उनके सहयोगियों ने कहा कि नवीन दलाल जैसे समर्पित खिलाड़ी न केवल लक्ष्य पर निशाना साधते है बल्कि पूरे देश का मान भी बढ़ाते है और देश का नाम रोशन करते है।

तैयारी: यातायात और सुरक्षा के किए जाएंगे पुख्ता बंदोबस्त

कांवड़ यात्रा के लिए पुलिस प्रशासन अलर्ट जुगाड़, बड़े वाहनों, ट्रैक्टर-ट्राली पर प्रतिबंध

- डाक कांवड़ 10 फीट से ऊंची और पैदल कांवड़ 7 फुट से ज्यादा नहीं होगी
- हॉकी स्टिक, बेसबाल बैट, डंडे, लाठी, त्रिशूल, भाला एवं अन्य अस्त्र-शस्त्र ले जाना प्रतिबंधित
- कांवड़ शिविर मुख्य मार्गों से 50 फीट की दूरी पर लगेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

फाइल फोटो

11 जुलाई से हरिद्वार (उत्तराखंड) में कांवड़ियों की यात्रा (मेला) शुरू होगी। जिसमें हरियाणा से भी काफी संख्या में कांवडियें पैदल तथा अपने वाहनों द्वारा हरिद्वार पहुंचते हैं। 23 जुलाई को शिवरात्रि है। जिला पुलिस द्वारा सुरक्षा प्रबंधों के मद्देनजर कांवड़ यात्रा में काफी सामान व वस्तुओं पर प्रतिबंध लगाया है। यात्रा में जुगाड़ वाहनों, ट्रैक्टर ट्राली तथा बड़े वाहनों पर पूर्णत प्रतिबंध लगाया है। यात्रा के दौरान साउंड सिस्टम का प्रयोग वर्जित किया गया है। डाक कांवड़ (झांकी) 10 फीट से ऊंची, पैदल कावड 7 फुट से ज्यादा नहीं होगी। कांवड़ यात्रा के दौरान शराब व मादक पदार्थों का परिवहन करना प्रतिबंधित है। यात्रा के दौरान हॉकी स्टिक, बेसबाल बैट, डंडे, लाठी, त्रिशुल, भाला एवं अन्य अस्त्र-शस्त्र ले जाना प्रतिबंधित है। कांवड़ यात्रा के दौरान एलपीजी सिलेंडर साथ ले जाने पर भी पाबंदी रहेगी। कावड़ यात्री मोटरसाइकिलों के साइलेंसर उतारकर बाइकों का प्रयोग नहीं करेंगे। एसपी नरेंद्र बिजारणिया ने सभी पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए हैं।

जिला में बढ़ेगी सुरक्षा

इस दौरान रोहतक में सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए जाएंगे। जिला में लगाए जाने वाले शिविरों को लिए जिला प्रशासन से अनुमति लेना आवश्यक है। बगैर अनुमति के कोई कांवड़ शिविर नहीं लगाया जाएगा। कावड़ शिविर मुख्य मार्गों से 50 फीट की दूरी पर लगाए जाए। कावड़ शिविर संचालकों का ब्यौरा, मुख्य सदस्य, वाहनों की किस्म व संख्या की पुरी सूचना एकत्रित की जाएगी। कांवड़ शिविरों पर काम करने वाले व्यक्तियों की पुलिस तस्दीक की जाएगी। डाक कावड़ आयोजित करने वाले संगठनों के साथ मीटिंग कर उन्हें सड़क पर व्यवहार व डीजे आदि के प्रयोग बारे आवश्यक हिदायतें दी जाएगी। जिला से कावड़ लेने जाने वाले लोगो की सूची भी तैयार की जाएगी। यात्रा के दौरान कावंडियों अपने साथ अपनी पहचान से सम्बंधित दस्तावेज अवश्य साथ रखे। कांवड़ यात्रा के दौरान नशे का सेवन ना करें।

संवेदनशील ट्रैफिक प्वाइंटों किए चिन्हित

पुलिस द्वारा मुख्य मार्गों के संवेदनशील ट्रैफिक प्वाइंटों को चिन्हित किया गया है। मेले के दौरान प्रभावी ट्रैफिक चैकिंग की जाएगी तथा तेज गति से चलने वाले वाहनों के चालान किए जाएंगे। प्रत्येक कावड़ शिविर पर आवश्यकतानुसार जिला पुलिस, स्पेशल पुलिस अधिकारी व होमगार्ड की ड्यूटिया लगाई जाएगी। आपात स्थिति से निपटने के लिए पुलिस लाइन में भी पुलिस बल 24 घंटे तैनात रहेगा। कांवड़ शिविर मे समुचित लाईट, पानी व सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था होनी चहिए। कांवड़ियों के आवागमन वाले मार्गों पर विशेष तौर पर सुरक्षा के इंतजाम किए जाएंगे।

सड़क के बाई लाइन में चलेंगे कांवड़ यात्री

एसपी नरेंद्र बिजारणिया

वाहनों में अवांछनीय सामग्री साथ नहीं जाने दी जाएगी। साथ ही निर्धारित गति सीमा में वाहनों को चलाए। असामाजिक व शरारती तत्वों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। किसी भी व्यक्ति द्वारा आपतिजनक प्रचार, भड़काऊ पोस्ट शेयर करता है या सोशल मीडिया पर पोस्ट करता है तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। एसपी नरेंद्र बिजारणिया ने आमजन से अपील की है कि पैदल कांवड़ यात्री सड़क के बाई लाइन में चलेंगे। ताकि कांवड़ियों व आमजन को किसी प्रकार की कोई परेशानी ना हो।

महम: किशनगढ़ गांव में विवाहिता ने की खुदकुशी

परिजनों ने लगाया दहेज हत्या का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

किशनगढ़ गांव में एक महिला ने कथित रूप से फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। महिला के परिजनों ने ससुरालियों पर हत्या करने का आरोप लगाया है। सूचना पाकर महम थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। पुलिस ने मृतका के परिजनों की शिकायत पर ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की। मृतका की मां हिसार जिले के सिंघवा खास गांव निवासी पूनम ने बताया कि उसकी बेटी पूजा की शादी करीब 4 साल पहले किशनगढ़ निवासी अनिल के साथ हुई थी।

शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग उसकी बेटी को दहेज के लिए प्रताड़ित करते थे। दहेज के लिए ही ससुराल पक्ष के लोगों ने उसकी बेटी को फांसी पर लटका दिया, जिसके कारण उसकी मौत हो गई। इस मामले में पुलिस जांच कर रही है।

अवैध धंधा करने वालों पर सख्त कार्रवाई

छह माह में 88 आरोपियों को किया गया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पुलिस द्वारा अपराध की रोकथाम व अपराधियों के धरपकड़ के लिए निरंतर कार्यवाही की जा रही है। पुलिस ने साल 2025 में छः माह के दौरान नशीले पदार्थों की तस्करी के 88 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा सराहनीय कार्य करते हुए नशीले पदार्थों की तस्करी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करते हुए नकेल कसने का काम किया है। माह जनवरी 2025 से लेकर जून माह 2025 तक रोहतक पुलिस द्वारा नशीला पदार्थों की तस्करी के 54 मामले एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज किए है। जिनमें 88 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस द्वारा लाखों रुपये की कीमत के नशीले पदार्थों को जब्त किया गया है। जब्त किए गए नशीले पदार्थ में 9 किलो 482 ग्राम चरस, 4 किलो 904 ग्राम अफीम, 987 किलो 0.28 ग्राम पॉपी हस्क, 41 किलो 697 ग्राम गांजा, 262 ग्राम 946 मिलीग्राम हेरोइन, प्रतिबंधित 149 बोतल विनरेक्स, 150 टेबलेट व 7 किलो 480 ग्राम अफीम के पौधे बरामद हुए है।अभियान के तहत जिला पुलिस थाना एवं चौकी स्तर पर आमजन को नशे के दुष्प्रभाव एवं बचाव बारे जागरुक किया जा रहा है।

प्रदेश स्तरीय बैठक में बनाई गई समन्वयक कार्यकारिणी

टीचर सेल्फ केयर टीम हरियाणा का गठन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। टीचर सेल्फ केयर टीम हरियाणा की प्रदेश स्तरीय बैठक में नए पदाधिकारी।

मॉडल टाउन स्थित आर्य समाज परिसर में टीचर सेल्फ केयर टीम हरियाणा की प्रदेश स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें हरियाणा राज्य के विभिन्न जिलों से आए शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। बैठक की अध्यक्षता टीएससीटी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी द्वारा की गई, जिसके अंतर्गत हरियाणा समन्वयक समिति का विधिवत गठन किया गया।
इस अवसर पर आयोजित बैठक में 15 सदस्यीय समन्वयक कार्यकारिणी तथा 2 संरक्षक सदस्यों की नियुक्ति की गई। संरक्षक के रूप में डॉ. श्यामदेव शास्त्री एवं सज्जन राठी को मनोनीत किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन प्रदीप आर्य ने किया। बैठक में टीएससीटी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी से विवेकानंद शास्त्री, नरेन्द्र प्रताप गंगवार, फारुख हसन, संजीव रजक, सुधेश पांडे और बबीता वर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही। टीएससीटी एक गैर-राजनीतिक, सेवाभावी और पारदर्शी संगठन है, संगठन का मुख्य उद्देश्य यह है कि यदि किसी शिक्षक साथी की सेवाकाल के दौरान आकस्मिक मृत्यु हो जाती है, तो टीम के सभी सदस्य एक निश्चित आर्थिक सहायता राशि एकत्र कर शोकाकुल परिवार को तत्काल राहत प्रदान करें।

शनिवार को ड्रेन में गिरी थी कार, चार लोगों को निकाल लिया गया था एक की थी तलाश

गांव चिड़ी के पास ड्रेन-8 से चादर में लिपटा मिला मृतक बलवीर का शव, पुलिस जांच में जुटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

मृतक का फोटो

गांव सांघी के पास चिड़ी रोड पर ड्रेन नंबर 8 से रविवार सुबह एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ है। मृतक की पहचान फतेहाबाद निवासी 42 वर्षीय बलबीर के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए डेड हाउस भेज दिया है। बता दें कि 4 जुलाई की रात गांव घिलौड़ निवासी मोहित अपने दोस्त धर्मेंद्र, होटल के कर्मचारी दीपक और संजीव के साथ बलबीर को लेकर गांव खिड़वाली जा रहा था। रास्ते में उनकी कार बेकाबू होकर ड्रेन नंबर 8 में जा गिरी। घटना के बाद चार लोगों को आसपास के लोगों ने सुरक्षित निकाल लिया, लेकिन बलबीर लापता हो गया था। इसकी सूचना राहगीरों ने पुलिस को दी। पुलिस सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची और तलाश अभियान शुरू कर दी। रविवार सुबह युवक का शव बरामद किया गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बलवीर की परिजनों से 8.30 बजे हुई थी बात

परिजनों ने बताया कि रात को साढ़े 8 बजे बलबीर की परिवार के लोगों से बात हुई थी और पौने 10 बजे हादसे की सूचना मिली। सूचना के बाद जब वह मौके पर पहुंचे तो आसपास के लोगों ने बताया कि रात को एक गाड़ी ड्रेन में गिरी हुई देखी। वह दौड़ कर गए तो दो लोग गाड़ी के ऊपर चढ़े हुए थे और दो लोग साथ खड़े थे। इसके बाद ट्रैक्टर की मदद से गाड़ी को बाहर निकाला गया।

की जा रही जांच

ड्रेन नंबर-8 से रविवार सुबह एक व्यक्ति का शव मिला है, जिसकी पहचान बलबीर के रूप में हुई है। 4 जुलाई की रात को एक कार ड्रेन में गिरी थी, जिसमें 5 लोग सवार थे। उनमें से 4 को निकाल लिया था और पांचवां बलबीर था, जिसका शव मिला है। पुलिस मामले में जांच कर रही है।
-सुरेंद्र कुमार, सदर थाना प्रभारी

हेल्थ विवि के वीसी डॉ. एचके अग्रवाल को मिला लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड

देशभर के सिर्फ पांच चिकित्सकों को मिला यह पुरस्कार, मरीजों के लिए हमेशा नया करने, नवीनतम तकनीक से उपलब्ध कराने के लिए सम्मान

- कॉन्फ्रेंस की थीम दा फ्यूचर ऑफ इंटरनल मेडिसिन, एजुकेशन रिसर्च एंड प्रैक्टिस इन चेंजिंग वर्ल्ड रखी गई थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हेल्थ विवि के वीसी डॉ. एचके अग्रवाल को सम्मान देते लोस अध्यक्ष ओम बिरला।

अपने मृदुल स्वभाव व मरीजों की सेवा के लिए कभी भी दिन रात की परवाह ना करने के लिए विख्यात फिजिशियन और पंडित भगवत दयाल स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ एच के अग्रवाल को नई दिल्ली में आयोजित एक वार्षिक कांफ्रेंस में लोकसभा के स्पीकर ओम बिरला द्वारा लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से नवाजा गया है। कुलपति डॉ अग्रवाल की इस उपलब्धि पर निदेशक डॉक्टर एस के सिंघल, चिकित्सा अधीक्षक डॉ कुंदन मित्तल व संस्थान के सभी चिकित्सकों और कर्मचारियों ने बधाई दी। मेडिसिन विभाग के डॉ दीपक जैन ने बताया कि नई दिल्ली में इन्नोवेटिव फिजिशियन फोरम की दो दिवसीय सातवीं अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस आईपीएफ मेडिकोन 2025 का रॉयल कॉलेज ऑफ़ फिजिशियन एडिनबर्ग लंदन के सौजन्य से आयोजन किया गया था। कॉन्फ्रेंस की थीम दा फ्यूचर ऑफ इंटरनल मेडिसिन, एजुकेशन रिसर्च एंड प्रैक्टिस इन चेंजिंग वर्ल्ड रखी गई थी। इस कांफ्रेंस में पूरे देश विदेश के फिजिशियनों ने हिस्सा लिया था। कॉन्फ्रेंस में मुख्य अतिथि के तौर पर लोकसभा के स्पीकर ओम बिरला उपस्थित हुए थे। उन्होंने बताया कि कांफ्रेंस में मेडिसिन के क्षेत्र में मरीजों के हित के लिए निस्वार्थ भाव से कार्य करने के लिए पूरे देश से सिर्फ पांच चिकित्सकों का चयन किया गया था, जिन्हें लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से नवाजा गया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर एच के अग्रवाल को मरीजों के प्रति उनके समर्पण भाव, मरीजों के लिए हमेशा कुछ नया करने, नवीनतम तकनीक से मरीजों को इलाज इलाज उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत रहने और मेडिकल एजुकेशन एवं क्लीनिकल एक्सीलेंस के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान को देखते हुए उन्हें यह प्रतिष्ठित लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

कुलपति ने मां व पत्नी को दिया श्रेय

कुलपति डॉ एच के अग्रवाल ने कहा कि उनका हमेशा यही प्रयास रहा है कि वे मरीजों के हित के लिए कार्य करें। उन्होंने कहा कि वे इस प्रतिष्ठित अवार्ड को उन्हें प्रदान के लिए आईपीएफ मेडिकोन व रॉयल कॉलेज आफ फिजिशियंन एडिनबर्ग का धन्यवाद व्यक्त करते हैं। डॉ अग्रवाल ने कहा कि वे अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपनी माता व पत्नी को देते हैं जिन्होंने हमेशा उन्हें मरीजों की सेवा करने के लिए प्रेरित किया, जिसके चलते वे अपने परिवार को भी कम समय दे पाए। उन्होंने कहा कि उनका भविष्य में भी यही प्रयास रहेगा कि मरीज के हित के लिए अधिक से अधिक कार्य करें और विश्वविद्यालय को ऊंचाइयों के शिखर तक लेकर जाएं। निदेशक डॉक्टर एस के सिंघल ने कहा कि कुलपति डॉ. एच के अग्रवाल की इस उपलब्धि से संस्थान का नाम पूरे देश में रोशन हुआ है। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुंदन मित्तल ने डॉ. अग्रवाल को इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा कि डॉ. अग्रवाल की इस उपलब्धि पर संस्थान को गर्व है और यह संस्थान के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि डॉ अग्रवाल के मार्गदर्शन में संस्थान ने मरीजों के लिए कई नई सुविधाएं शुरू की हैं और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

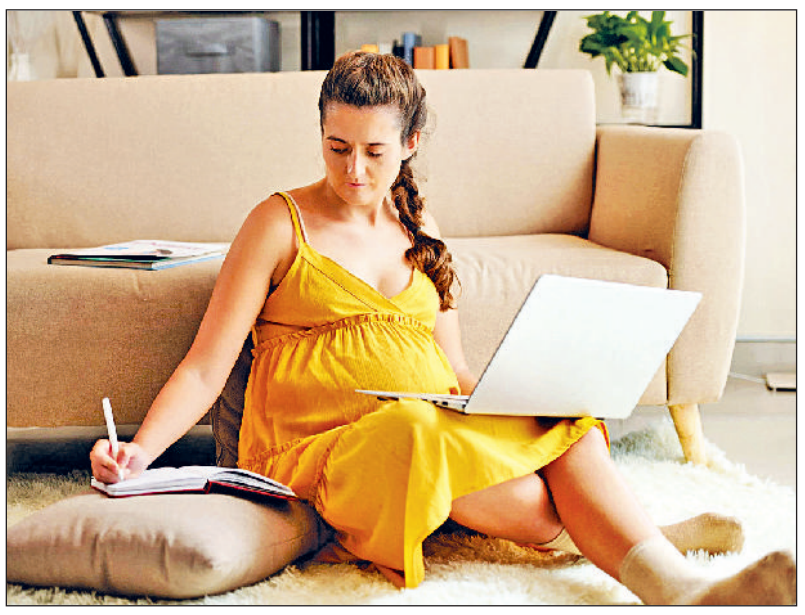

गतांक से आगे...
अभी तक आपने पढ़ा कि नवब्याहता दीप्ति मायके आई है तो सोच में डूबी, अपने में गुमसुम रहती है। ससुराल में पन्द्रह दिन रहकर ही वो जान गई कि वहाँ अभी बरसों-बरस तक उसकी स्थिति ऐसी रहने वाली है कि सभी की सेवा भी करनी है और सभी की डाँट भी खानी है। रहने-खाने के सहारे के बदले अपना सर्वस्व ससुराल वालों के चरणों में रखकर न चलेगी तो निभ न सकेगी।
अब आगे...

नवजात रोती है और माँ लिखना रोककर उसे स्तनपान कराती है। सद्य प्रसूता माँ फिर पेपर लिखने लगी है। अब हिम्मत टूट रही है; माँ बीच-बीच में अपनी बेटी की ओर देखती जाती है। सहायिका दीदी की गोद में वो सो रही है। अंतिम उत्तर दीप्ति पूरे कर रही है। परीक्षक कह रही हैं कि वह कॉपी दे दे, समय पूरा हो रहा है। वो उत्तर लिख रही है। उसे अब नींद आ रही है।

कहानी
इंदिरा दाँगी

भाग्य विधाता

अ दीप्ति ससुराल जाती ट्रेन में बैठी हज़ारों बातें सोचती है, मेरा भी उतना ही अधिकार है पापा की संपत्ति पर, जितना दोनों भाइयों का है लेकिन अम्मा दो-पांच हज़ार की विदाई देते कैसा मुँह बनाती हैं ! भाभियों की कौन कहे, वे पराए घर से आई हैं, जब जन्म देने वाली माँ ही पराया मानती है।"
सोचती जाती है और आँसू बहते जाते हैं। पति ने टोका,"ट्रेन में मत रोओ। सब देख रहे हैं। अच्छा, बताओ, विदाई कितने की मिली है ?"
शादी को एक साल हो चला। इस बीच एक बड़ा झगड़ा हुआ। सास वेणी एक शादी-समारोह में गई थी जहाँ बहू की बड़ी भाभी सुरेखा से भेंट हो गई। बातों-बातों में वेणी बोली,
"कानों में तो बड़े सुंदर झाले पहने हैं सुरेखा तुमने! पुराना सोना जान पड़ता है।"
"हाँ ! ये मेरी मम्मी ने दिए थे।"
"बहुओं से भर-भर के दहेज लिया और बेटी को देते अंटी न खुली !"
"ऐसा क्यों कहती हैं आंटी जी ? क्या कमी रखी है हमने? क्या नहीं दिया जो अब तक माँगती हैं ?"
सुरेखा की बात सुन वेणी तिलमिला उठी।
"हम ही क्यों बनवाएं उसके लिए जब मायके वाले इतना भी न दे सके ? अपनी बेटियों को मैंने दो-दो जोड़ी बुँदे, झुमकियाँ बनवा कर दी थीं !"
"क्या बात करती हैं? तोला भर सोने की झुमकियाँ बनवा कर दी थीं हमने विदाई में। दीप्ति दीदी ने बताया नहीं आपको ?"
"तोले भर सोने की झुमकियाँ ?"
सास के गुस्से का कोई पारा न रहा। घर आकर इतनी ऊँची आवाज में कलह किया कि पड़ोसी अपने-अपने फ्लैट्स के दरवाज़े खोलकर बाहर आ गए। ससुर रोकते जाते थे, बेटा रोकता जाता था लेकिन सास की आवाज़ आसमान तक बुलन्ध थी। लेकिन बहू एक चुप, हजार चुप !
'योगेश, अब या तो तेरी बहू उन तोले भर सोने की झुमकियों का हिसाब दे या निकल जाए इस घर से !"
"बताती क्यों नहीं, कहाँ हैं झुमकियाँ?" जब पति ही मारने को आगे बढ़ा तो दीप्ति ने मरी-मरी सी आवाज में कहा,
"खो गईं।"
"खो गईं ? तोले भर सोने की झुमकियाँ खो गईं? कैसे खो गईं ? क्या अपने पापा को दे आईं?"
योगेश मारता उसे अगर बीच में ससुर न आ गए होते। सास का गुस्सा महीनों शांत न हुआ। ननदें फोन करतीं तो वो बहू को सुना-सुना कर हज़ार बातें सुना देती उसके मायके वालों को।
दीप्ति से खूब काम लिया जाता। घर के कामों से फारिग होती तो बाहर के कामों की सूची तैयार रहती। जब से शादी हुई, घर में योगेश ने इधर की सींक उठाकर उधर न रखी थी। दीप्ति ही बाजार, सौदा-सुलफ सब करती। कभी पलंबर को बुलाती, कभी कबाड़ी को रद्दी तुलाती।
लेकिन इस सब के बीच, उसके मन में पढ़ाई की लगन लगी रहती। सास वेणी देखती और कुढ़ती। एक रात सास की नींद खुली तो देखा ड्राइंग रूम की बत्ती जल रही है। रात के ग्यारह बजे थे। बहू हॉल में दीवान पर बैठी कुछ लिख रही थी।
"अरे ! अब तक जागती हो ? सवेरे फिर योगेश का टिफिन बनाने में आलस करोगी। जाओ सो जाओ।"
"नहीं। मैं बना दूँगी सब समय पर।"
"लाइट बंद करो और जाओ। इधर की बत्ती जलती है तो मुझे अपने कमरे में नींद नहीं आती।"
"लेकिन, मैं तो हमेशा यहीं पढ़ती हूँ; अभी तक तो आपने कभी नहीं कहा ऐसा !"
"तो अब कह रही हूँ, ये बत्ती न जलाया करो।"
"तो रात को मैं कहाँ पढ़ूँ ? कमरे में टेबल लैम्प से भी इनकी नींद में खलल पड़ता है।"
बहू अपने आप से कहती चली गई और रसोई में बत्ती जलाकर फिर लिखने लगी। उस दिन से दीप्ति ने हॉल या रसोई में पढ़ना बंद कर दिया। फ्लैट में हॉल के अलावा दो ही तो कमरे थे। अब कहाँ पढ़े ? वो रात को बाथरूम में बैठकर नोट्स बनाती; और दिन में किताब खोले घर के कामकाज के बीच कुछ-कुछ याद करती रहती। कभी कलाई पर, कभी हथेली पर, कुछ उतार लेती और मन में दोहराया करती। बी.एड. के साथ-ही-साथ वो शिक्षक पात्रता परीक्षा की भी तैयारी कर रही है। सोचती, बी.एड. कर लेगी और अगले ही साल शिक्षक पात्रता परीक्षा भी पास कर लेगी तो सरकारी शिक्षक की नौकरी करने के योग्य हो जाएगी। छह महीने बाद,तीसरे सेमिस्टर की परीक्षा का रिजल्ट आया जिसमें दीप्ति ने अपने कॉलेज में दूसरा स्थान प्राप्त किया। गर्भवती हो गई थी तो भी स्कूटी चलाकर कॉलेज जाती रहती। गर्भावस्था के पूरे दिन चल रहे हैं; और बी.एड. अंतिम वर्ष के फाइनल सेमिस्टर की परीक्षाएं भी। हर दिन मनाती है, बस परीक्षा पूरी हो जाए तब डिलीवरी हो ! लेकिन ...जो भाग्य बदलने निकलते हैं, उन्हें सबसे पहले अपनेआप से लड़ना पड़ता है !
रात से हल्का-हल्का दर्द हो रहा था लेकिन वो सब कामकाज करती रही और साथ में किताब भी खोले रही। कल तीन बजे उसका आखिरी पर्चा है। लेकिन सुबह होते-न-होते दर्द की लहर काबू से बाहर हो गई। सास के साथ ऑटो से वो सरकारी अस्पताल पहुंची और आधे ही घंटे में उसकी डिलीवरी हो गई।
आगे एक घंटा तो दिमाग कुछ न जानता था। तंद्रा-सी थी। बस अपनी बेटी को सीने से चिपटाए आँखें बंद किए पड़ी रही। घंटे भर बाद, उसकी आँखें आधी खुलीं। सामने दीवार घड़ी दोपहर के बारह बजा रही है।
"मेरा पेपर है तीन बजे !"
"अब काये का पेपर ? अब इस लड़की को सम्हालो ! मैं घर जा रही हूँ; गुड़ बनाकर लाती हूँ। घर का खाना भी बनाना है। रात तक आ जाऊँगी या योगेश आ जाएगा सोने यहाँ। कल अपने मायके से बुला लो किसी को। अकेले मुझसे नहीं करते बनेगा सब।"और सास फोन लगाती हुई बाहर निकल गई।
"हाँ चंचल ! तुम बुआ बन गयीं! और क्या होना था! मैं तो पहले ही कहती थी, लड़की ही जनेगी!"
जाती हुई सास की बात दीप्ति के कानों में पड़ती है। वो सुनी-अनसुनी कर देती है। पति योगेश को किसी ने बताया है अथवा नहीं, दीप्ति को नहीं पता। उसने बेटी को निहारा, फिर घड़ी देखी।
-परीक्षा देनी है !
प्रसूता पुकारती है, "कोई है?"
कोई नहीं सुनता। उसने फिर अपनी ताकत जुटाकर पुकारा है, "कोई मदद कर दो !"
भाग्य द्वार तक आया, लेकिन भीतर नहीं। एक नर्स झाँककर पूछती है, "क्या बात है ? तुम्हारे साथ कोई नहीं? क्या कुछ खाने को चाहिए?"
"मेरा बी.एड. का पेपर है तीन बजे से। क्या गाड़ी मिल जायेगी एग्जाम सेंटर तक जाने के लिए ?"
नर्स अवाक उसे देखती रह गई। हज़ारों जचगी इस अस्पताल में देखीं-करवाईं, ऐसी जननी नहीं देखी !
वो निवेदन दोहराती है; नर्स क्या कहे !
"मैडम से पूछकर बताती हूँ।"
और नर्स डॉक्टर के सामने है।
"बिल्कुल नहीं! अभी घंटे भर पहले ही डिलेवरी हुई है। अब 24 घंटे तो बिस्तर से उठने की अनुमति नहीं दे सकते !"
नई डॉक्टर अपने कागज़ों में उलझी, उत्तर देकर इस बात को भूल जाती लेकिन ... कोई है जो लड़ रहा है भाग्य से ! ... भाग्य विधाता से !
"मैडम जी प्लीज !" सामने एक अधमरी-सी आवाज़ है।
डॉक्टर नज़र उठाकर देखती है।
"मेरा पेपर है बी.एड. का। फिर नहीं कर पाऊँगी। न फिर फीस भर पाऊँगी। प्लीज मुझे एग्जाम सेंटर तक पहुँचा दीजिए।"
दरवाज़े से टिकी सद्य प्रसूता अपनी नवजात को लिए किसी तरह खड़ी है। या तो वो खुद ही गिर जाने वाली है या उसकी गोद से नवजात खिसकी जाती है।
उसकी गंभीर हालत देख डॉक्टर चिल्लाती है, "तुम पागल हो क्या!"
जच्चा-बच्चा को वापस बेड तक पहुँचाया गया। बड़े डॉक्टर साहब से बात की गई। गाड़ी तो अस्पताल में कोई मौजूद थी नहीं। एक गाड़ी बाहर गई हुई है। समय रहते लौट आई तो कुछ हो सकता है। नई डॉक्टर मदद के लिए दूसरे अस्पताल फोन लगा रही है। गाड़ी की व्यवस्था होते-होते दो घंटे निकल गए। अस्पताल से एग्जाम सेंटर 35 किलोमीटर दूर है। गाड़ी में जच्चा-बच्चा को लिटाया गया और नर्स क्योंकि वैसे ही स्टाफ में कम हैं, वर्क लोड बहुत ज़्यादा। एक सफाईकर्मी दीदी को साथ कर दिया गया।
वे चलीं तो नई डॉक्टर पीछे से देखती, अपने मित्र ट्रेनी डॉक्टर को फोन करती कहती है, "अभी पता है क्या हुआ ?"
... किसी की मदद कर, वो इस पल अपनी ही नज़रों में हीरो है !
एग्जाम सेंटर तक वे पहुँची हैं और सहायिका दीदी को नवजात दे, किसी तरह दीप्ति एग्जाम सेंटर के अंदर तक पहुँचती है। परीक्षा चालू हो चुकी है। सैकड़ों परीक्षार्थी परीक्षा दे रहे हैं। उसे देख चलते पेन रुक-रुक जा रहे हैं।
"सर! मैडम ! मेरे पास प्रवेश पत्र नहीं है लेकिन मुझे अपना रोल नंबर याद है। और आप तो मेरे पिछले पेपर में भी ड्यूटी पर थीं। प्लीज मुझे पेपर देने दीजिए। क्या मैं बहुत लेट हो गई हूँ ?"
वो पन्द्रह मिनट लेट हो चुकी है लेकिन उसे परीक्षा हॉल में प्रवेश करने दिया गया। उत्तर पुस्तिका और प्रश्न पत्र दिया गया। वो खड़े-खड़े ही किसी तरह उत्तर पुस्तिका पर लिखना शुरू करती है।
"बैठ कर लिख लो।" परीक्षक मैडम उससे कहती हैं।
"बैठ नहीं पाऊँगी। चार घंटे पहले डिलीवरी हुई है।"
"तो क्यों आईं परीक्षा देने ऐसे हाल में ? अपनी और इसकी जान को खतरे में डाल कर ?"
"जेवर बेचकर फीस भरी थी; छूट जाती पढ़ाई तो फिर नहीं कर पाती।"
परीक्षक उसे दो पल को देखती रहीं फिर केंद्र अध्यक्ष के कक्ष की ओर तेज़ कदमों से चली गईं। केंद्र अध्यक्ष ने सुना तो सन्नाटे में आ गए। कोई नरम बिस्तर या आरामदायक खटिया तो नहीं थी लेकिन एक तख्त का इंतजाम कर दिया गया, एक खाली पड़े कक्ष में।
आधे घंटे बाद, अपनी उत्तर पुस्तिका, प्रश्न पत्र, सहायिका और नवजात के साथ सद्य प्रसूता को उस कक्ष में तख्त तक पहुंचा दिया गया।
कोई तकिया नहीं। एक परीक्षक ने अपना पर्स दे दिया है जिसे सिरहाने लगाए, सद्य प्रसूता उत्तर पुस्तिका लिखने में लीन है। बीच-बीच में एग्जाम सेंटर के अन्य परीक्षक आ-आकर उसे देख जा रहे हैं। चार घंटे की डिलीवरी में एक परीक्षार्थी पेपर देने आई है !
बीच में, नवजात रोती है और माँ लिखना रोककर उसे स्तनपान कराती है। सद्य प्रसूता माँ फिर पेपर लिखने लगी है। अब हिम्मत टूट रही है; माँ बीच-बीच में अपनी बेटी की ओर देखती जाती है। सहायिका दीदी की गोद में वो सो रही है। अंतिम-अंतिम उत्तर दीप्ति पूरे कर रही है। परीक्षक कह रही हैं कि वह कॉपी दे दे, समय पूरा हो रहा है। वो उत्तर लिख रही है। उसे अब नींद आ रही है। (समाप्त)

लघुकथा
विकास यशकीर्ति

पांचवां बेटा

दौलत राम। तुम्हारे चार चार बेटे होते हुए भी आज ये नौबत आ गई कि तुम्हें अपना पुश्तैनी मकान गिरवी रखना पड़ रहा है।' सेठ हजारी प्रसाद दौलत राम के सामने प्रेनोट रखते हुए बोला। 'और सुना है - परदेस में अच्छा कमा रहे हैं।' चश्मे को नाक की नोंक पर रखकर हज़ारी प्रसाद ने दौलत राम को नंगी आंखों से घूरते हुए अपना व्यंग्य बाण चलाया।
'क्या करें, सेठ जी। सब के अपने अपने खर्चे हैं, अपनी अपनी जिम्मेवारियां हैं।' जग हंसाई से बचने के लिए अपने नालायक बेटों की छोटी-मोटी वकालत दौलतराम खुद ही कर लिया करता था। दौलत राम ने प्रनोट पर साइन करने के लिए जैसे ही पेन उठाया, उसके फोन पर एक मैसेज चमका ' रुपे फाइव लैक्स इन यूअर अकाउंट' दौलत राम फ़ोन में आए इस मैसेज की गहराई को परत दर परत खोलने लगा। तभी एक टेक्स्ट मैसेज और फ्लैश हुआ।
' क्या सिर्फ कहने के लिए बेटा कहते थे, पापा ?'
इस बार दौलतराम ने देखा, मैसेज नेहा बिटिया का था जिसके दो साल पहले उसने हाथ पीले कर दिए थे। दौलतराम हैरानी के साथ फोन को निःशब्द होकर देखता रहा। 'किसका मैसेज है दौलत राम ?' हजारी प्रसाद ने दौलत राम की तंद्रा भंग की। दौलत राम की आंखों में नमी थी। 'कौन है ? ' सेठ फिर चिल्लाया। 'पांचवा बेटा' सिर्फ ये दो शब्द बोलकर दौलतराम कांपता हुआ उठा और प्रनोट वापस हजारीप्रसाद को देकर आंखे पौंछता हुआ बाहर चला गया।

कविता
पं. कमल कांत भारद्वाज

ज़माने की कशमकश

मुझे लगता है ज़माने की कशमकश में
मैं अकेला तो नहीं हूँ
इस कशमकश में कल कोई और था
आने वाले कल में कोई और होगा
ज़माने की कशमकश में
मै अकेला तो नहीं हूँ

जो दिखता है ख़ुश ज़िंदगी में
क्या पता, वो भी परेशान हो ज़िंदगी में
मुझे मेरे ही ग़म लगते हैं ज्यादा
क्या पता, नहीं दिख रहे
उसके ग़म हो मुझसे भी ज्यादा

दर-ब-दर भटकता रहा मैं
हर एक कदम पे ख़ुद से लड़ता रहा मैं
एक नई उम्मीद की तलाश में
अपनों से दूर चला गया मैं
ज़माने की इस काशमकश में

जीवन है ही संघर्षों का मेला
सब लगे हैं ज़िंदगी की कशमकश में
आज मैं हूँ, कल तुम
फिर कोई और होगा
ज़माने की इस कशमकश में
मुझे लगता है मैं अकेला तो नहीं हूँ
ज़माने की इस कशमकश में

कविता
प्रज्ञा गांधी

वो लड़की

परियों जैसी है वो लड़की
भोली और शैतान बड़ी
समझदार भी है कितनी
और कितनी नादान भी
उसकी आंखें देखी मैंने
आंखों से बातें करती है
कितनी प्यारी लगती है
जब हिरण सी चलती है
सुनहरी ज़ुल्फें हैं उसकी
प्यारी प्यारी बातें हैं उसकी
कितनी मासूम है वो
और हजारों उसकी शरारतें हैं
छोटी छोटी बातों पर भी
वो खुश हो जाती है
छोटी छोटी बातों पर ही
आंसू भी वो भरती है
पर, सपने हैं उसके बड़े
आसमां में उड़ना चाहती है
स्वाभिमान के लिए
आत्मसम्मान के लिए
और कुछ कर गुजर जाने के लिए
जिद बड़ी है उसकी
बाती बनकर जलने की
रोशनी फैलाने की
परियों जैसी वो लड़की
भोली और शैतान भी

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

वरिष्ठ साहित्यकार एवं लेखक नीरु मित्तल का मानना है कि आज के आधुनिक युग में भी साहित्य गतिशील है और गद्य हो या पद्य, दोनों विधाओं में ही नवीन शैलियों का विकास हो रहा है। लघुकथा, लघुकविता, नवगीत जैसी विधाएं अपने उत्कर्ष की ओर अग्रसर हैं। छायावाद से आगे हम प्रयोगवाद पर आ गए हैं। साहित्य पर सामाजिक, राजनीतिक चेतनाओं का गहरा प्रभाव पड़ा है।

साक्षात्कार
ओ.पी. पाल

साहित्य और समाज एक-दूसरे के बिना अधूरे: डॉ. नीरू मित्तल

सा हित्य के क्षेत्र में कविता, गजल, कहानी, व्यंग्य, लघुकथा, लेख निबंध, समीक्षा जैसी विधाओं का मानवीय एवं सामाजिक सरोकार के लिए काफी महत्व है। इन्हीं मूल्यों को लेकर साहित्यकार एवं लेखक साहित्य सृजन करने में जुटे हैं, जिसमें लेखकों का मकसद समाज को नई दिशा और सकारात्मक विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए अपनी संस्कृति, सभ्यता और परंपराओं जुड़े रहने का संदेश देना है। लेखिका एवं साहित्यकार डॉ. नीरू मित्तल अपनी ऐसी ही लेखन विधाओं के माध्यम से हरियाणवी संस्कृति के संवर्धन एवं सामाजिक उत्थान के लिए साहित्य साधना करती आ रही हैं। अपने साहित्यिक सफर को लेकर डॉ. नीरू मित्तल 'नीर' ने कई ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर किया, जिसमें समाज और साहित्य एक दूसरे के बिना जीवंत नहीं रह सकते।

वरिष्ठ महिला साहित्यकार डॉ. नीरू मित्तल का जन्म 26 जून 1958 को अजमेर (राजस्थान) में हरिश चन्द्र गुप्ता और दम्यंती देवी गुप्ता के घर में हुआ। परिवार में कोई भी साहित्य माहौल नहीं था लेकिन उन्हें बचपन में ही तुकबंदियां करते हुए कुछ न कुछ लिखने में अभिरुचि हुई। स्कूल में भी वे कविताएं सुनाती और उनकी लिखी कविताएं स्कूल और कॉलेज की मैगजीन में प्रकाशित होने लगी, तो उनके पिताजी ने बहुत प्रोत्साहित करना शुरु कर दिया। उनके लेखन की शुरुआत कविताओं से हुई, लेकिन वह जल्द ही कहानियां भी लिखने लगी। जब वह कॉलेज में पढ़ रही थी, तो उनकी रचनाएं आकाशवाणी पर प्रसारित होने लगी और पिता अजमेर से रिकार्डिंग के लिए आकाशवाणी केंद्र जयपुर ले जाते थे। बकौल डॉ. नीरू मित्तल, साल 1981 में उनकी जयपुर में बैंक ऑफ बडौदा में नौकरी लग गई। इसके बाद साल 1984 में उनका विवाह हरियाणा के पंचकूला में हुआ। इस वजह से उन्होंने अपना स्थानांतरण पंचकूला की बैंक शाखा में करा लिया और यहीं से वह सेवानिवृत्त हुई। हालांकि शादी के बाद वह अपनी बैंकिंग की नौकरी, परिवार और बच्चों में अत्यधिक व्यस्त हो गई और लेखन बहुत सीमित रह गया। लेकिन इस दौरान भी वह नराकास के कार्यक्रमों में भाग लेती रही और पुरस्कार जीतती रही। बच्चे जब कॉलेज में चले गए और उन्हें कुछ समय मिलने लगा तो साहित्य के प्रति लगाव पुनः जागृत हो गया और उन्होंने हरियाणवी संस्कृति के संवर्धन एवं सामाजिक उत्थान के लिए साहित्य सृजन को नई दिशा दी। उनकी रचनाओं का फोकस मुख्य रूप से समाज में व्याप्त विडंबनाओं, कुंठाओं बेबसी, आक्रोश, अनेक विषमताएं और लोगों की जिजीविषा जैसे सामाजिक सरोकार के मुद्दे और समस्याओं पर रहा है, इन्हीं पर उनकी कलम सक्रिय रही, जिसमें नारी विमर्श भी उनके लेखन में स्वतः ही झांकने लगा। बकौल नीरु मित्तल, साहित्य के अलावा उन्हें गायन और नृत्य का भी शौक रहा है। वह अपने हम उम्र साथियों के लिए नृत्य कोरियोग्राफ भी करती हैं। जहां वे कहानी, लघुकथा, लेख निबंध, कविता, साक्षात्कार, समीक्षा, व्यंग्य, यात्रा संस्मरण, समीक्षा और साक्षात्कार ज जैसी विधाओं में साहित्य संवर्धन करने में जुटी हैं, वहीं वह योगा शिक्षिका भी रही और सामाजिक गतिविधियों में भी वे बढ़ चढ़कर हिस्सा लेती हैं। उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों में आयोजित कवि सम्मेलनों में काव्य पाठ भी किये हैं।

उन्हें देश के वरिष्ठ साहित्यकारों व रचनाकारों का सानिध्य मिला है। उनकी रचनाएं देश ही नहीं विदेश के पत्र-पत्रिकाओं में भी प्रकाशित होती रही हैं। चंडीगढ़ दूरदर्शन केंद्र और आकाशवाणी केंद्र जयपुर से समय-समय पर उनकी कविताओं व रचनाओं का प्रसारण तो हो ही रहा है, वहीं रेडियो 'अपना विनीपेग' कनाडा और 'जस टीवी' कनाडा पर भी उनके साहित्यिक काव्य पाठ कार्यक्रम और साक्षात्कार प्रस्तुत हुए हैं। कई विदेशी मंचों जैसे 'रूट्स टू हिंदी काव्यांजलि' शिकागो, 'निर्मल रोशन मंच' न्यूयॉर्क, 'महिला काव्य मंच' इंडोनेशिया पर भी वे अपनी कविताएं प्रस्तुत कर चुकी हैं। यहाँ वह यह बात अवश्य कहना चाहती हैं कि विदेश में बैठे भारतीय अपनी संस्कृति, अपनी भाषा और अपने देश से कहीं गहराई से जुड़े हुए हैं। वह उनकी निष्ठा और समर्पण को नमन करती हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

डॉ. नीरू मित्तल की प्रकाशित पुस्तकों में काव्य संग्रह-अनकहे शब्द, शब्दों की परछाइयाँ, चट्टान पर खिले फूल, पंचतत्त्व और मैं, कहानी संग्रह-रिश्तों की डोर, कोहरे से झाँकती धूप, लघुकथा संग्रह-तिनका तिनका मन, प्रतिबिम्बों की अनंत यात्रा, बाल साहित्य-मेरे वर्णमाला गीत, छू लो आसमान प्रमुख रूप से पाठकों के सामने हैं। उन्होंने खुशियाँ लौटेंगी, सुनहरी यादों के झरोखों से नामक पुस्तकों का संपादन भी किया। वहीं पंजाबी रचनाओं का अन्य भाषाओं में अनुवाद भी किया है।

डॉ. नीरू मित्तल

पुरस्कार व सम्मान

लेखिका डॉ. नीरू मित्तल को हरियाणा साहित्य गौरव सम्मान, बाल सहित्य सम्मान, डॉ कैलाश अहलूवालिया स्मृति सम्मान पुरस्कार, डॉ. श्यामसुंदर व्यास स्मृति सम्मान, काव्य मंजरी वागीश्वरी सम्मान, काव्य मंजरी वागीश्वरी सम्मान, काव्य शिरोमणि सम्मान, स्मृति साहित्य सम्मान, संस्कृति संवाहक पुरस्कार, शब्द निष्ठा सम्मान, लघुकथा सेवी सम्मान, साहित्य सारथी सम्मान और मां भारती साहित्य के सम्मान जैसे अनेक पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : डॉ. नीरू मित्तल 'नीर'
जन्मतिथि : 26 जून 1958
जन्म स्थान : अजमेर(राजस्थान)
वर्तमान निवास : पंचकूला (हरियाणा)
शिक्षा : एम. कॉम, सी.ए.आई.आई.बी
संप्रति : बैंकिंग सेवा से निवृत, साहित्यकार, कथाकार, कवयित्री, योग शिक्षिका

सामाजिक उपयोगिता का कविता संग्रह 'मैं पेड़ हूँ'

पुस्तक : मैं पेड़ हूं
लेखिका : अर्चना कोचर
मूल्य : 250 रुपये
प्रकाशक : इंडिया नेट बुक, नोएडा

पुस्तक समीक्षा
डॉ. ज्ञानप्रकाश 'पीयूष'

सा हित्य लेखन एवं समाज सेवा में संलग्न, अनेक साहित्यिक संस्थाओं से सम्मानित, सुप्रतिष्ठित साहित्यकार अर्चना कोचर किसी परिचय की मोहताज नहीं।

' मैं पेड़ हूँ' लघुकविता-संग्रह इनकी सद्य प्रकाशित पुस्तक है, जो भाव सौंदर्य एवं शिल्प सौष्ठव की दृष्टि से बहुत प्रभावशाली है। यह पुस्तक विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधों को आधार बनाकर दस-दस पंक्तियों के मुक्त छंद में सृजित की गई हैं तथा उनके औषधीय गुणों, सामाजिक उपयोगिता एवं पौराणिक उपादेयता को दृष्टिगत रखते हुए प्रांजल भाषा में व्यंजित की गई हैं। रुद्राक्ष, पीपल,कदम्ब, अशोक बरगद, अक्षय वट के साथ चंदन, देवदार, चीड़,नीम, सागवान,पलाश, अमलतास गुलमोहर, शीशम, सफेदा, बबूल, आदि छायादार एवं सहजता से उपलब्ध पेड़ों के महत्व को भी प्रतिपादित किया गया है तथा आँवला, आम अनार,अमरुद, सेब,जामुन, नारियल, अंजीर,सुपारी, जायफल, नींबू, केला, बादाम, अखरोट, काजू ,खुबानी, पिस्ता, चिलगोजा, आलू बुखारा, आदि फलदार वृक्षों पर भी सारगर्भित लघुकविताओं का सृजन किया गया है जो अत्यंत श्लाघनीय है। ये कवयित्री के अद्भुत रचना कौशल, साहस, परिश्रम एवं जुनून को प्रतिपादित करता है। इनके अतिरिक्त मखाना, पान बनारस वाला, आल स्पाइस,केसर, तुलसी,आक, शमी, सप्तपर्णी, लता मंजरी जैसे अनेक पेड़-पौधों को भी कलमबद्ध किया गया है जो कवयित्री की आन्तरिक प्रतिभा,अध्यवसाय, एवं सृजन क्षमता को रेखांकित करती हैं। 'नारियल का पेड़' लघु कविता एक बिम्बात्मक चित्र द्रष्टव्य है- खाने को फल, तंदुरुस्ती के लिए पानी/ दूध-मलाई की, कल्पवृक्ष ने लिखी कहानी/ सुख समृद्धि में, श्री हरि विष्णु, लक्ष्मी का कृपानिधानी/ त्रिदेव के त्रिनयन, श्रीफल की इष्ट अर्पण बानी है/ पवित्र कलश में विराजित/ मंगल कार्यों में श्रीगणेश/ हवन की पूर्णाहुति, नवरात्र, कन्या पूजन में विशेष/ जन्म पूजन में नारियल, कफन में चढ़ता यह विनेश है /नारियल का तेल केश निखार/त्वचा की मसाज है/ ताड़- शराब, कठोर खोल,चारकोल/ इसका अंग-अंग कीमती/ लोगों का इलाज है। इसकी भाषा अत्यंत सरल एवं शैली सरस व सारगर्भित है। यह कृति हर दृष्टि से उपादेय है और अर्चना कोचर की सकारात्मक सोच एवं आशावादी दृष्टिकोण की परिचायक है। उत्कृष्ट कृति के लिए कवयित्री को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

खबर संक्षेप

रोहतक। शिविर में रक्तदाताओं के साथ मुख्य अतिथि गौरव मित्तल व नगर पार्षद सुमन देवी।

शिविर में 57 यूनिट रक्त किया एकत्रित

रोहतक। आपके साथ एक नई शुरूआत संस्था द्वारा आपातकालीन रक्तदान पैनल के सहयोग से स्वैच्छिक रक्तदान उत्सव का आयोजन सुनारियां चौक में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि गौरव मित्तल प्रधान, घड़ी एसोसिएशन हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल, अध्क्षता अजय धनखड़ मूक प्राणी सेवक रहे। आमंत्रित महिला विशिष्ट अतिथि सुमन देवी, नगर पार्षद वार्ड नं.22, अनुष्का, मिस हरियाणा क्लीन 2025 एवं मिस इंडिया यूनिवर्सल हरियाणा 2019, डॉ. राजेश फार्मेसी अधिकारी एवं अनिता बुधवार जिला सचिव, भाजपा रोहतक रही।

स्वस्थ रहने के लिए हर दिन 30 मिनट व्यायाम करें

रोहतक। जिला रेडक्रॉस सोसाइटी के हॉस्पिटल वेलफेयर क्षेत्र की चेयरपर्सन एवं उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह की पत्नी सुमन बाला ने कहा है कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना चाहिए। एसएन जैन वेलफेयर एसोसिएशन सुभाष नगर द्वारा श्री सनातन धर्म हनुमान मंदिर में आयोजित निशुल्क स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर के शुभारंभ अवसर पर उन्होंने उपस्थित लोगों को नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच करवाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हरेक नागरिक को अपने स्वास्थ्य के लिए कुछ लक्ष्य निर्धारित करें, जैसे कि हर दिन कम से कम 30 मिनट तक व्यायाम करना। इसके अलावा रात को पूरी व गहरी नींद लेना आदि शामिल है। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होने में समय लगता है। इसलिए धैर्य रखें और हार न मानें। शिविर में आए मरीजों का चिकित्सकों द्वारा निशुल्क चेकअप व इलाज किया गया। जांच के दौरान आए मरीजों का एलपीएस बोसार्ड की बस में नेत्र जांच डॉ अंजू बजाज नेत्र रोग विशेषज्ञ, पैथोलॉजी लैब द्वारा शुगर, श्वास, ब्लड आदि का चेकअप किया गया। इसके बाद मरीजों को चिकित्सकों ने निशुल्क दवाओं का भी वितरण किया।

आर्य प्रतिनिधि सभा ने दयानंद मठ में किया मासिक वैदिक सत्संग

- बच्चों को आर्य समाज के सत्संगों में अवश्य लाना चाहिए जिससे वे संस्कारित बन सकें : उपेन्द्र आर्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

आर्य प्रतिनिधि सभा हरयाणा, दयानन्द मठ में मासिक वैदिक सत्संग किया गया। यज्ञ के ब्रह्मा आचार्य सन्तराम रहे। इसके पश्चात नर्मिला आर्या, कृष्णा आर्या, सन्तोष आर्या, बहन दयावती आर्या, हनुमत मकड़ौली, पण्डित नरेश आर्य ग्राम टिटौली (रोहतक), आर्य प्रतिनिधि सभा हरयाणा के भजनोपदेशक सत्यपाल आदि द्वारा भजनों के माध्यम से देश-भक्ति, भारत देश की

रोहतक। दयानंद मठ में मासिक वैदिक सत्संग में प्रवचन देते उपेन्द्र आर्य।

वर्तमान दुर्दशा एवं ऋषिवर देवदयानन्द द्वारा समाज के लिए किए गए उपकार आदि के बारे में सुन्दर सन्देश दिया। कृष्णा आर्या गांव बालन्द (रोहतक) ने भी अपने विचार रखते हुए परमपिता परमात्मा के उपकार तथा वेदों के महत्ता के सम्बन्ध में वस्तिार से चर्चा की। वैदिक सत्संग में आर्य भजनोपदेशक एवं मुख्यवक्ता पण्डित उपेन्द्र आर्य (चण्डीगढ़) का मासिक वैदिक सत्संग में पहुंचने पर प्रधान वेदप्रचार मण्डल सुभाष सांगवान द्वारा स्वागत किया गया। पण्डित उपेन्द्र आर्य ने बहुत ही सुन्दर एवं सरल शब्दों में गीतों एवं प्रवचनों के माध्यम से मनुष्य के उत्तम जीवन पर मधुर विचार रखे। उन्होंने महर्षि दयानन्द सरस्वती के

रोहतक। दयानंद मठ में मासिक वैदिक सत्संग में मौजूद भक्तजन।

उपकार को बताते हुए चारों वेदों के संदर्भ में भी चर्चा की। उन्होंने भजनों एवं उपदेशों के माध्यम से बताया कि वेद ही अनमोल खजाना है जिसमें सभी प्रकार का ज्ञान-विज्ञान है। उन्होंने प्राचीन गुरुकुल की शिक्षा, दिनचर्या, उद्देश्य तथा उनके लाभ के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि हमें अपने साथ अपने बच्चों को आर्य समाज के सत्संगों में अवश्य लाना चाहिए जिससे वे संस्कारित बन सकें। मंच का संचालन प्रधान वेदप्रचार मण्डल सुभाष सांगवान ने किया। मंच आचार्य सन्तराम, हवासिंह राठी, रामकिशन बाल्याण रिटायर्ड तहसीलदार, बलराज खुराना सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम के अन्त में सुभाष सांगवान ने मंच पर उपस्थित सभी विद्वान, साधु-सन्त तथा सभी सत्संग-प्रेमियों का सत्संग में पधारने पर धन्यवाद किया।

महिलाओं एवं बच्चों के संस्कारों पर की विशेष चर्चा

पण्डित उपेन्द्र आर्य ने खासकर महिलाओं एवं बच्चों के संस्कारों की विशेष चर्चा की। आप बहुत सौभाग्यशाली हैं जो कि वैदिक सत्संग में बैठे हैं, जिसमें सत्यासत्य का निर्णय करके परमपिता परमात्मा का ध्यान करना बताया जाता है, जिससे उत्तरोत्तर वृद्धि होती रहे। उन्होंने कहा कि आज बच्चों में कुसंस्कार फैल रहा है, जिसे रोकने की आवश्यकता है। हमें अच्छे कर्म करने चाहिएं जिससे हमारा उत्तरोत्तर उन्नति हो, तभी हम दूसरों को भी आर्य बना सकेंगे, जबकि पहले की अपेक्षा आज गति ज्यादा होनी चाहिए परन्तु कम है। इस ओर भी हमें ध्यान देने की आवश्यकता है।

विवि में तकनीकी शिक्षा को व्यावहारिक मंच देने वाला पहला प्रयास बताया

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वर्तमान दौर की सबसे बड़ी जरूरत : राजबीर सिंह

- इस समर स्कूल में प्रतिभागियों को एआई से संबंधित विषयों पर गहन प्रशिक्षण प्रदान किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के गणित विभाग द्वारा करियर काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट सेल तथा रूहिल फ्यूचर टेक्नोलॉजीज के सहयोग से आयोजित एक माह के प्रथम समर स्कूल "इंडस्ट्रियल रेडीनेस के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में प्रथम हैंड्स-ऑन प्रैक्टिस" संपन्न हो गया। इस समर स्कूल में प्रतिभागियों को एआई से संबंधित विषयों पर गहन प्रशिक्षण प्रदान किया गया। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत कर रहे कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने प्रतिभागियों के उत्साह, सीखने की भावना और गणित विभाग की इस नवाचारी पहल की सराहना करते हुए कहा कि एआई आज के दौर की आवश्यकता बन चुका है। उन्होंने इसे विश्वविद्यालय में तकनीकी शिक्षा को व्यावहारिक मंच देने वाला पहला प्रयास बताया। समारोह के विशिष्ट अतिथि, प्रो. एससी मलिक ने समर स्कूल को उद्योग की मांगों के अनुसार छात्रों को दक्ष बनाने वाला एक अनूठा प्रयास बताया। विश्वविद्यालय प्रॉक्टर प्रो. रणदीप राणा ने भी

रोहतक। समर स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभागियों के साथ रूहिल फ्यूचर टेक्नोलॉजीज के संस्थापक अंशुल रूहिल व अन्य प्रोफेसर।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

इस कार्यक्रम का समन्वय डॉ. मीनाक्षी हुड्डा, कार्यक्रम समन्वयक एवं डिप्टी डायरेक्टर, करियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा किया गया, जबकि डॉ. मोनिका सांगवान ने सह-समन्वयक के रूप में मंच संचालन को कुशलतापूर्वक संभाला। समापन समारोह में डॉ. दिव्या मल्हान, निदेशक, सीसीपीसी, प्रो. गुलशन तनेजा, प्रो. राजीव कुमार, प्रो. सविता राठी, डॉ. सीमा सिंह (आईएमएसएआर), डॉ. अंजू पंवार, डॉ. एकता नरवाल सहित अनेक गणमान्य शिक्षाविद्, शोधार्थी एवं छात्र उपस्थित रहे।

विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए इसे अनुकरणीय बताया। रूहिल फ्यूचर टेक्नोलॉजीज के संस्थापक अंशुल रूहिल ने प्रशिक्षण के तकनीकी पक्षों को साझा करते हुए बताया कि छात्रों को वास्तविक औद्योगिक चुनौतियों से अवगत कराया गया और लाइव प्रोजेक्ट्स पर कार्य कराया गया। उन्होंने बताया कि एआई पर आधारित इस समर स्कूल ने छात्रों को नवाचार और उद्यमिता की ओर प्रेरित किया। एमडी यूनिवर्सिटी और आरएफटी अब आगे मिलकर नई पहल, उन्नत कोर्सेस, और इनोवेशन लैब्स शुरू करने की दिशा में अग्रसर हैं।गणित विभागाध्यक्ष प्रो. सुमीत गिल ने बताया कि समर स्कूल के लिए 270 छात्रों में से 30 का चयन कर उन्हें उद्योग-केंद्रित एआई प्रशिक्षण दिया गया। यह कार्यक्रम छात्रों को आधुनिक उद्योगों की मांगों के अनुरूप व्यावहारिक ज्ञान देने की दिशा में एक सार्थक पहल है। आरएफटी टीम-रिया, निखिल और

रोहतक। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि कुलपति प्रो. राजबीर सिंह को स्मृति चिन्ह देते अंशुल रूहिल व प्रो. एससी मलिक। फोटो : हरिभूमि

सुधांशु ने एमडीयू के साथ अपनी साझेदारी यात्रा साझा करते हुए समर स्कूल की प्रमुख विशेषताओं और लाभों पर एक प्रभावशाली प्रस्तुति दी। फीडबैक सत्र में कई प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम की अनोखी संरचना और प्रभावशाली शिक्षण पद्धति की सराहना की और भविष्य में और ऐसे कार्यक्रमों की मांग की। यह समर स्कूल एमडीयू के विभिन्न विभागों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों के छात्रों द्वारा उत्साहपूर्वक अटेंड किया गया। प्रतिभागियों में गणित, आईएमएसएआर, यूआईईटी, बायोइन्फोर्मेटिक्स सेंटर, आईएचटीएम, कंप्यूटर साइंस एंड एप्लिकेशंस विभागों के साथ-साथ नेताजी सुभाष चंद्र बोस कॉलेज, पं. नेकी राम कॉलेज, बाबा मस्तनाथ यूनिवर्सिटी, वैश्य इंजीनियरिंग कॉलेज और छोटू राम पॉलिटेक्निक के छात्र शामिल थे। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र के साथ गुड्डी बैग्स भी वितरित किए गए।

इस समर स्कूल में प्रतिभागियों को एआई, मशीन लर्निंग, डाटा एनालिटिक्स, रोबोटिक्स, स्टार्टअप एंटरप्रेन्योरशिप, प्री-ट्रेंड मॉडल्स, चैटबॉट यूआई, जेमिनी फ्लैश एपीआई आदि पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। निःशुल्क कार्यक्रम में उन्नत लैब्स व विशेषज्ञों का मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया। इसका उद्देश्य छात्रों को पारंपरिक शिक्षा से आगे ले जाकर उन्हें एआई, डाटा साइंस और ऑटोमेशन जैसे क्षेत्रों के लिए तैयार करना था, जिससे उनकी रोजगार योग्यता बढ़े और विभाग नवाचार का केंद्र बने।

रोहतक। गली में भरा पानी। फोटो : हरिभूमि

गांव बल्लम में गंदे पानी की निकासी न होने से ग्रामीण जी रहे नरकीय जीवन

रोहतक। जिले के गांव बल्लम की बैंक वाली गली में गंदा पानी जमा होने से ग्रामीण नरकीय जीवन जीने पर मजबूर हैं। ग्रामीणों ने इस समस्या के समाधान के लिए प्रशासन से कई बार गुहार लगाई है लेकिन इनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। ग्रामीण सतीश कुमार ने बताया कि इस गली में दी रोहतक सहकारी बैंक और मिनी बैंक की शाखा मौजूद है साथ ही गांव का मुख्य रास्ता भी है। लोगों को हर रोज गली में जमा गंदे पानी के बीच से गुजरना पड़ता है। उन्होंने प्रशासन से अनुरोध किया है कि गांव की इस समस्या का समाधान जल्द किया जाए ताकि लोगों को आवागमन में परेशानी ना हो। ग्रामीणों ने अपनी समस्या बताते हुए कहा है की बैंक वाली गली के साथ गांव का तालाब है और इस तालाब में गलियों की नालियों का पानी जमा हो जाता है। जब तालाब में पानी ज्यादा जमा हो जाता है तो पानी गली में भर जाता है। यह समस्या काफी पुरानी है, जिसका प्रशासन ने कभी समाधान नहीं किया। जिसके चलते ग्रामीणों ने खुद पैसा इकट्ठा कर तालाब से पानी निकालने के लिए गांव के साथ बने नाले तक पाइप दबाए थे और बिजली की मोटर लगाकर तालाब से पानी की निकासी का प्रबंध किया था लेकिन हाल में काहनोर बल्लम रोहतक सड़क की मरम्मत के चलते नाला अस्त-व्यस्त कर दिया गया।

सेक्टर-1 पार्क में किया पौधरोपण

रोहतक। विषैली गैसों के बढ़ते प्रभाव एवं पर्यावरणीय असंतुलन की चिंताओं के मद्देनजर भारत सरकार द्वारा प्रोत्साहित 'एक पौधा मां के नाम' अभियान के अंतर्गत भारत विकास परिषद्, सेक्टर शाखा द्वारा 'पर्यावरण सप्ताह' मनाया जा रहा है। इस आयोजन के अंतर्गत रविवार को सेक्टर-1 स्थित सार्वजनिक पार्क में विविध प्रजातियों के फलदार, छायादार एवं सजावटी पौधों का रोपण किया गया। शाखा के पर्यावरण संयोजक एमएल अरोड़ा ने कहा कि भारत विकास परिषद के इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण को स्वच्छ एवं धरती को हरी भरी बनाए रखने के प्रति जन जागरूकता उत्पन्न करना था। पौधरोपण के माध्यम से न केवल वायुमंडल को शुद्ध करने का संदेश दिया गया, अपितु भावी पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य देने की प्रतिबद्धता भी प्रकट की गई। परिषद् के सचिव तरुण गुप्ता ने अपनी सुपुत्री सुरभि के जन्म दिन पर 10 पौधे रोपित करते हुए संदेश दिया कि, /"पर्यावरण की रक्षा कर के ही हम जीवन की रक्षा कर सकते हैं।

ओमेक्स में किया पौधरोपण

रोहतक। ओमेक्स आरडब्ल्यूए द्वारा सेक्टर 22डी परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना और परिसर को हरा-भरा बनाना रहा। इस अवसर पर एसोसिएशन के प्रमुख सदस्य कुलदीप राणा, विकास मलिक, केके गर्ग, नवीन अहलावत, प्रवेश सहित अनेक निवासी उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किए और उनके संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि पौधारोपण न केवल पर्यावरण को संरक्षित करने का एक सशक्त माध्यम है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम भी है।

मानव उत्थान सेवा समिति ने लगाया स्वास्थ्य शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रविवार को जिला रोहतक की शाखा महम के मानव उत्थान सेवा समिति आश्रम नजदिक खारी कुई महम में महात्मा पूज्य रोशनी बाई की अध्यक्षता में एक दिवसीय निशुल्क जांच शिविर का आयोजन हुआ इसमें विशेष कर शुगर, बी .पी,और एलर्जी की निशुल्क जांच और निशुल्क दवाइयां भी उपलब्ध कराई गई ।जो की हमारे मानव सेवा दल के उप मंडल प्रमुख आदरणीय डॉ वीरेंद्र जी ने लगभग 50 लोगों का चिकित्सा अनुसार सबका चेकअप किया और जरूरतमंदों को निशुल्क दवाई भी दी। और साथ ही 70 लोगों का थेरेपी के माध्यम से इलाज हुआ। मानव उत्थान सेवा समिति के निमंत्रण पर शीतलापूरी डेरे से बाबा नरेश्वरपुरी जी महाराज भी सतसंग कार्यक्रम में उपस्थित हुए। उन्होंने कहा कि हम सब एक होकर के आध्यात्मिक ज्ञान मार्ग में आगे बढ़ करके सेवा करेंगे तो हमारा सभी का कल्याण निश्चित है और उन्होंने कहा कि श्री गुरु महाराज जी की आज्ञा ही सेवा है।

सिद्धगुरुवर सिद्धेश्वर ब्रह्मऋषि गुरुदेव के दिव्य सान्निध्य में दिल्ली में 12 जुलाई को आयोजित होगा आध्यात्मिक कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

राजधानी दिल्ली आगामी 12 जुलाई 2025 को एक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक क्षण की साक्षी बनने जा रही है। तालकटोरा इंडोर स्टेडियम (एनडीएमसी) में श्री गुरु पूर्णिमा महामहोत्सव 2025 का भव्य आयोजन किया जाएगा। जिसमें देश और विदेश से भारी संख्या भक्तजन इस कार्यक्रम में भाग लेंगे। यह आयोजन विश्व धर्म चेतना मंच–एनसीआर दिल्ली के तत्वावधान में और श्री सिद्धेश्वर तीर्थ ब्रह्मऋषि

रोहतक। सिद्धगुरुवर सिद्धेश्वर ब्रह्मऋषि गुरुदेव।

आश्रम, तिरुपति के सौजन्य से किया जा रहा है। इस कार्यक्रम की सबसे विशेष बात यह है कि इसमें स्वयं सिद्धगुरुवर सिद्धेश्वर ब्रह्मऋषि गुरुदेव का दिव्य सान्निध्य और सत्संग प्राप्त होगा, जिनकी एक दृष्टि जीवन की दिशा और दशा दोनों को रूपांतरित कर देती है।यह जानकारी देते हुए विश्व धर्म चेतना मंच भिवानी अध्यक्ष नरेश मीनू अग्रवाल ने बताया कि जब धरा पर अधर्म, अज्ञान और अव्यवस्था का अंधकार गहराता है, तब कोई दिव्य चेतना स्वयं प्रकट होकर मानवता को प्रकाश का मार्ग दिखाती है। यह आयोजन न केवल एक धार्मिक अनुष्ठान है, बल्कि यह एक विराट आत्मिक जागरण का महोत्सव होगा। इस कार्यक्रम को लेकर राम कुंज सत्संग भवन में एक विशेष मीटिंग का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सुरेश वर्मा, सुधीर जैन, विवेक चौधरी, केसरी शर्मा व राममेहर शर्मा सहित काफी लोग उपस्थित थे उनका उद्देश्य है एक ऐसा विश्व जहां न कोई जातिवाद हो, न सम्प्रदाय, केवल मानव धर्म और सह-अस्तित्व का भाव हो। गुरु पूर्णिमा, भारतीय संस्कृति में वह दिन है जब शिष्य अपने गुरु के प्रति श्रद्धा, समर्पण और आत्मोत्थान की भावना से ओतप्रोत होकर उनकी कृपा प्राप्त करता है।

विधायक बत्तरा का अनूठा प्रयास महिला शक्ति से करवाया पौधारोपण

पंडित श्रीराम शर्मा पार्क में 50 लाख के कार्यों का लोकार्पण

- पंडित श्रीराम शर्मा पार्क ऐतिहासिक धरोहर है, इसके रखरखाव के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे : बत्तरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर के सबसे बड़े पंडित श्रीराम शर्मा पार्क के सौंदर्करण के लिए विधायक के प्रयासों से हुए 50 लाख रुपए के कार्यों का आज लोकार्पण किया गया। विधायक भारत भूषण बत्तरा ने फीता काटकर यहां बनाए गए शेड और वाकिंग ट्रेक का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि वे इस ऐतिहासिक पार्क को अब गोद ले रहे हैं और यहां के विकास के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेगा। इस अवसर पर विधायक ने पार्क में मौजूद सम्मानित महिलाओं बहनों से पौधारोपण भी करवाया। विधायक

रोहतक। पंडित श्रीराम शर्मा पार्क में पौधारोपण करवाते विधायक भारत भूषण बत्तरा।

भारत भूषण बत्तरा ने पंडित श्रीराम शर्मा पार्क में बारिश से बचाव के लिए नवनिर्मित शेड और वाकिंग ट्रैक सौंदर्करण कार्य का विधिवत लोकार्पण किया। इस अवसर पर पंडित श्रीराम शर्मा वेलफेयर सोसाइटी (एचएसवीपी) के प्रधान राम भगत और अन्य ने विधायक भारत भूषण बत्तरा का पार्क आगमन पर अभिनंदन किया। बत्तरा ने कहा कि पहले भी उन्होंने इस पार्क में लगभग 22 लख रुपए की लागत से मड़ ट्रैक बनवाया था ताकि बुजुर्ग लोग सैर करें तो उनके घुटने ठीक रहें। इसी कड़ी में अब यहां बनाए गए मड़ ट्रैक और पक्के ट्रैक की स्ट्रैथन की गई है, उनका सौंदर्य करण किया गया है। इसके साथ ही पार्क में बारिश के दौरान लोगों को असुविधा न हो इसलिए पक्का शेड बनवाया गया है। विधायक ने कहा कि उनकी कोशिश है कि इस पार्क में सिंथेटिक ट्रैक बने। इसके साथ ही उन्होंने पार्क में सफाई व्यवस्था, स्वच्छ टॉयलेट, खूबसूरत फूलदार पौधे आदि पर भी अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि वे इस पार्क से गहरा जुड़ाव रखते हैं, अब निरंतर यहां की सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओं का खुद अवलोकन करेंगे। उन्होंने कहा कि पार्क में आने वाले जॉगर्स भी पार्क को अपना घर जैसा समझे और यहां के विकास एवं स्वच्छता में अपना योगदान सुनिश्चित करें। हम सभी को मिलकर पार्क की उत्कृष्ट के लिए काम करना होगा, तभी हम इस पार्क को शहर का सबसे सुंदर पार्क बना सकेंगे। इसके साथ ही उन्होंने स्थानीय लोगों को आश्वासन दिया कि पार्क में मौजूद फव्वारा , एवं म्यूजिक सिस्टम जल्द ही शुरू होगा।

विधायक के आग्रह पर मातृशक्ति ने किया पौधरोपण

पंडित श्रीराम शर्मा पार्क में आज विधायक भारत भूषण बत्तरा को समिति द्वारा पौधारोपण के लिए भी आमंत्रित किया गया था। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि यहां मौजूद मातृशक्ति एवं बहनें आज के कार्यक्रम की मुख्य अतिथि हैं और पौधारोपण उन्हीं के हाथों होगा। विधायक ने एक-एक महिला के साथ खड़े होकर स्वयं पौधारोपण करवाया।

पार्क के मुख्य द्वार पर जलभराव का विधायक ने लिया जाएगा

पंडित श्रीराम शर्मा पार्क के मुख्य द्वार पर बारिश के बाद से सामने और दोनों तरफ बड़ी संख्या में पानी भरा हुआ है, जिससे आने-जाने वाले लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। विधायक भारत भूषण बत्तरा ने स्वयं मौके का मुआयना किया , उन्होंने इस बारे में अधिकारियों से फोन पर बात करते हुए स्थाई समाधान के लिए कहा।

पेशाब
की समस्याओं का स्थाई इलाज
- बार-बार पेशाब आना व जलन होना।
- पेशाब की कमजोर धार या रुक-रुक कर आना।
- गुर्दे व नलकी की पथरी से पेशाब में समस्या।
- गदूद/प्रोस्टेट के ऑप्रेशन से पहले अवश्य सम्पर्क करें व ऑप्रेशन से बचें।
डॉ. एम.एस.पूनियाँ
(B.H.M.S., D.N.H.E.) Jaipur
35 वर्षों का अनुभव
परामर्श नि:शुल्क (Free OPD)
समय : सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक
मंगलवार व शुक्रवार को अवकाश रहेगा
कृपया आने से पहले अपना रजिस्ट्रेशन करवा दें:
85709-15000
अशोका होम्योपैथिक हॉस्पिटल
Near Bus Stand, Gali No. 3, Rishi Nagar, Hisar

धान 50, बाजरा 10, ज्वार 20, गन्ना 11 और कपास 15 हजार हेक्टेयर में लहला रही

जिले में अभी तक सामान्य से 36 प्रतिशत अधिक बारिश मौसम अनूकुल रहा तो खरीफ से होगा बंपर उत्पादन

अमरजीत एस गिल ⏭ रोहतक

गत एक जून से रविवार 6 जुलाई शाम साढ़े पांच बजे तक रोहतक जिले में एवरेज 105.2 एमएम बरसात हो चुकी है। जबकि सामान्य बारिश का आंकड़ा 77.1 एमएम है। यानी के सामान्य से 36 प्रतिशत अधिक पानी फिलहाल तक गिर चुका है। किसान खेतों में हैं और ऐसे में अब धान की रोपाई पीक पर है। अगेती किस्मों की तो रोपाई खत्म भी होने वाली है। और जिस एरिया में फसल की जरूरत मुताबिक बारिश नहीं हुई है, वहां किसान पानी लगा रहे हैं। ध्यान रहे कि धान 50 हजार हेक्टेयर में, बाजरा 10, ज्वार 20,गन्ना 11 और कपास 15 हजार हेक्टेयर में बोई गई है। जिले में धान ही सबसे ज्यादा पैदा की जाती है। अगर रोपाई के समय मौसम फसल के अनुकूल हो तो कई बार रकबा 60 हजार हेक्टेयर तक भी पहुंच जाता है।

सावधानी बरतें किसान

किसानों के लिए ये समय फूंक-फूंककर कदम उठाने का है। थोड़ी भी लापरवाही फसल खराब कर सकती है। जो किसान रोपाई कर चुके हैं और पहली सिंचाई की तैयारी कर रहे हैं, उनके लिए कुछ बातें जाननी जरूरी हैं कि रोपाई के 10 दिन बाद खेतों में सिंचाई करने के दौरान एनपीके खाद का इस्तेमाल करना चाहिए। 1 एकड़ में एनपीके की एक बोरी का प्रयोग करना पर्याप्त है। इस समय प्रदेश में डीएपी खाद की कमी बताई किसान बता रहे हैं। जबकि सरकार का दावा है कि खाद की कमी नहीं है। ऐसे में किसान डीएपी का विकल्प एनपीके का प्रयोग कर सकते हैं। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि डीएपी में पोषक तत्व होते हैं, वे ही एनपीके में भी होते हैं। एनपीके उर्वरक, जिसे नाइट्रोजन (N), फास्फोरस (P), और पोटेशियम (K) का मिश्रण कहा जाता है। पौधों के विकास के लिए आवश्यक तीन मुख्य पोषक तत्व हैं।

ये है प्रमुख किस्म

आम तौर पर, धान की रोपाई बुवाई के 30-45 दिन बाद की जाती है, जब पौधे थोड़े मजबूत हो जाते हैं। इसका मतलब है कि रोपाई का समय जुलाई के मध्य से अगस्त के अंत तक हो सकता है। अगेती किस्मों की रोपाई मध्य जून में प्रारंभ होकर जुलाई के पहले सप्ताह तक खत्म हो जाती है। रोहतक के एरिया में किसान 1121 किस्म को ही प्राथमिकता देते हैं।

डीएपी देता है धीरे-धीरे खुराक

डीएपी खाद का उपयोग धान की फसल में बढ़वार करने के लिए बहुत आवश्यक है। पौधों को अपने संपूर्ण काल में 16 पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। नाइट्रोजन और फास्फोरस उनमें से एक है। डीएपी खाद मिट्टी में मिल कर पानी कि उपस्थिति में मिट्टी में घुल जाती है और पौधों को आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करती है। मिट्टी पर छिड़कने के बाद आसानी से घुल जाती है. यह खाद फसलों की जड़ों का विकास करती है। जैसे आपने कोई फसल बोई है और उसमें यह खाद डाली तो यह पौधों की जड़ों और कोशिकाओं का विभाजन कर देती है। किसी पौधे की शाखाएं बढ़ रही हैं, तो यह उस पौधे की जड़ों को मजबूती प्रदान करेगी।

रोहतक में देर रात तेज बरसात

रोहतक में रविवार को भी बरसात हुई। दोपहर को कई जगह हल्की बारिश के बाद देर रात गरज के साथ तेज बरसात हुई। जिसकी वजह से जनजीवन अस्त व्यस्त रहा। इलाके में कई जगह जल भराव हो गया। इस दौरान बिजली निगम ने बिजली काट दी ताकि कोई हादसा न हो सके।

सोशल मीडिया पर ब्लैकमेल कर रुपये मांगने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

आज के इस तकनीकी दौर में मनुष्य ज्यादातर मोबाइल फोन, लैपटॉप व कम्प्यूटर आदि पर निर्भर है और यह डिवाइस इंटरनेट से जुड़ी हुई हैं। इनके माध्यम से मनुष्य का जीवन काफी आसान हो गया है। इनके माध्यम से मनुष्य अपने रोजमर्रा के कार्य जैसे-बैंक से संबंधित कार्य, ऑनलाइन ऑफिस कार्य, नेट बैंकिंग, सोशल मीडिया आदि पर अपना कारोबार आदि कार्य घर बैठे ही बड़ी आसानी से कर लेता है। जिसके कारण व्यक्ति कई बार इंटरनेट पर गलती कर बैठता है। साइबर अपराधी लोगों की इसी गलती के इंतजार में बैठे रहते हैं। मौका मिलते ही साइबर अपराधी बड़े ही शातिर तरीके से लोगों को मानसिक व आर्थिक तौर पर भारी क्षति पहुंचा देते हैं। यह बात सहायक पुलिस अधीक्षक वाईवीआर शशि शेखर ने कही।

उन्होंने बताया कि हमें इंटरनेट पर अपने कार्य करने के दौरान या इंटरनेट का उपयोग करते समय बड़ी सावधानी बरतनी चाहिए। हमें अपने सोशल मीडिया खातों पर एक मजबूत पासवर्ड लगाकर खातों को सुरक्षित रखना चाहिए। सोशल मीडिया पर किसी अंजान व्यक्ति से सम्पर्क नही करना चाहिए। किसी अंजान लिंक पर क्लिक करके उसे ओपन नही करना चाहिए। किसी अंजान नम्बर से आने वाली फोन कॉल, वीडियो कॉल का उत्तर नहीं देना चाहिए और ना ही किसी अंजान व्यक्ति की फ्रेंड रिक्वेस्ट मंजूर करनी चाहिए। जब कोई व्यक्ति अपने आपको बैंक का अधिकारी या प्रतिनिधि बताकर आपसे आपकी व्यक्तिगत जानकारी जैसे बैंक खाता नंबर, क्रेडिट-डेबिट कार्ड नंबर, एक्सपायरी डेट, सीवीवी नंबर, ओटीपी, आधार कार्ड नंबर व पैन कार्ड नंबर आदि मांगता है तो उस व्यक्ति के साथ उक्त जानकारी सांझा नही करनी चाहिए।

इस प्रकार हम छोटी-छोटी सावधानियां बरतकर अपने आपको साइबर अपराधियों से बचाकर रख सकते हैं और अपने आपको होने वाली मानसिक व आर्थिक हानि से बचा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि साइबर अपराधी वीडियो कॉल कर अश्लील वीडियो के माध्यम से पीड़ित व्यक्तियों को ब्लैकमल कर पैसे ठगने की वारदात को अंजाम देते है।

सांसों की सलामती के लिए पौधरोपण जरूरीः डाबला

रोहतक। जिले के गांव खेड़ी साध में रविवार को भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश सचिव रेनू डाबला की अध्यक्षता में डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जन्मदिवस पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया और उनके चित्र पर पुष्पार्पित कर सैकड़ों लोगों ने डॉ श्यामा प्रसाद को नमन किया। रेनू डाबला ने मौके पर मौजूद लोगों को नायब सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों से अवगत करवाया और पात्र लोगों को सरकार की नीतियों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत रेनू डाबला ने गांव के दादा बड़ वाला के मंदिर प्रांगण में त्रिवेणी लगाई। गांव के युवाओं ने त्रिवेणी की सुरक्षा की जिम्मेदारी ली। रेनू डाबला ने कहा कि जीवन की सुरक्षा के लिए पौधरोपण बहुत जरूरी है, इस लिए सबके जीवन की सलामती के लिए ज्यादा से ज्यादा पौधरोपण करें। संदीप बुधवार ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना था, बल्कि मातृत्व को सम्मान देने और सामाजिक चेतना को जागृत करने का भी सशक्त प्रयास था। इस मौके पर संदीप बुधवार, किसान मोर्चा के जिला सचिव महताब सिंह फौजी, संतु पहलवान, सुबेदार कर्मबीर सिंह खनगवाल, नरेश खनगवाल, बलजीत सिंह, प्रवीन कुमार सहित गांव के चारों बूथों के अध्यक्ष मौके पर मौजूद रहे।

रोहतक। पौधरोपण करते भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश सचिव रेनू डाबला व अन्य ग्रामीण।

राज्यसभा सांसद ने खेड़ी महम में किया चौपाल का उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ⏭ महम

राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने शनिवार शाम को खेड़ी महम गांव में सामान्य चौपाल का उद्घाटन किया। इस चौपाल के पुर्नउद्धार कार्य पर 11 लाख रुपए खर्च किए गए हैं। यह राशि राज्यसभा सांसद ने अपने एमपी कोष से दी थी। ग्रामीणों ने इसके लिए राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा का आभार जताया और गांव में पहुंचने पर उनका फूल माला व पगड़ी पहनाकर स्वागत किया।

जांगड़ा ने बताया कि खेड़ी महम गांव के विकास पर 3 करोड़ रुपए खर्च किए जाने हैं। जिनमें से कुछ विकास कार्य पूरे किए जा चुके हैं, जबकि कुछ के अभी टेंडर होने वाले हैं। संकल्प से सिद्धि तक कार्यक्रम के तहत सांसद ने ग्रामीणों को सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी। सांसद ने कहा कि आज पूरा प्रदेश मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में लगातार प्रगति के पथ पर अग्रसर है। पूरा देश बदल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सैकड़ों वर्ष पुराने अंग्रेजों के बनाए कानून समाप्त कर दिए हैं। भारत एक नया भारत बन कर उभर रहा है। पूरी दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से नए भारत को जाना है।

सांसद जांगडा ने कहा की एक सशक्त नेतृत्व ही मजबूत देश का निर्माण कर सकता है। इस अवसर पर महंत सतीश दास, डॉ. कृष्ण कुमार लांबा, भाजपा महम मंडल अध्यक्ष अमित जांगड़ा, पूर्व चेयरमैन अजीत सिंह उर्फ जीता, अजीत अहलावत, वेदप्रकाश धवन, धर्मवीर खत्री, समुन्दर सरपंच, पंचायत समिति सदस्य अमनदीप, नरेश, लीला खेड़ी, देवेन्द्र खरकड़ा, अशोक गुप्ता महामंत्री, परवीन खत्री व महेश शर्मा सहित कई पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे।

महम। खेड़ी महम गांव में चौपाल का जीर्णोद्धार कार्य पूरा होने पर चौपाल का उद्घाटन करते राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा व साथ मौजूद अन्य। फोटो : हरिभूमि

रोहतक। रोटियां और कढ़ी का प्रसाद वितरित करते इनर व्हील रोहतक क्लब के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

इनर व्हील रोहतक क्लब ने लगाया भंडारा

रोहतक। जरूरतमंद और बेसहारा लोगों को भोजन के रूप में रविवार को इनर व्हील रोहतक क्लब की ओर से जाट भवन मार्केट के सामने भंडारा दिया गया। एकादशी का व्रत होने की वजह से आज भंडारे में चावल की जगह रोटियां और कढी का प्रसाद वितरित किया गया। इस भंडारे में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर मारकंडेय आहूजा अपनी धर्मपत्नी डॉक्टर अंजू आहूजा जो कि क्लब की खजांची भी है के साथ शामिल हुए। आज के इस भंडारे में क्लब की अध्यक्ष डॉक्टर कमलेश मलिक, आई एस ओ शकुंतला मेहता, मैडम विजय बल्हारा, सुदेश व लिली ने अपना सेवा के रूप में योगदान दिया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

स्कूली बच्चों की राज्यस्तरीय चित्रकला स्पर्धा 12 को पंचकूला में

रोहतक। सरकार के कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग द्वारा स्कूली बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा को मंच देने और उन्हें प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन 12 अगस्त को पंचकूला के यवनिका गार्डन, सेक्टर-5 में किया जाएगा। धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में विद्यार्थियों को दो आयु वर्गों में विभाजित किया गया है। पहली श्रेणी में 6 से 10 वर्ष तक के बच्चों को स्टोरी टेलिंग विषय पर पेंटिंग बनानी होगी, जबकि दूसरी श्रेणी में 11 से 16 वर्ष के प्रतिभागियों को माई विजन विषय पर चित्र बनाना होगा। दोनों श्रेणियों में प्रथम पुरस्कार के रूप में 7100 रुपए, द्वितीय पुरस्कार 5100 रुपए तथा तृतीय पुरस्कार 2100 रुपए की राशि निर्धारित की गई हैं। इसके अलावा पांच सांत्वना पुरस्कार भी दिए जाएंगे। साथ ही, प्रतियोगिता में सर्वाधिक भागीदारी वाले विद्यालय को भी सम्मानित किया जाएगा। डीसी धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि प्रतिभागियों को ड्रॉइंग शीट, रंग तथा अन्य आवश्यक सामग्री स्वयं लेकर आनी होगी। वे जल रंग, पोस्टर रंग, ऑयल पेंट, पेंसिल रंग या किसी भी माध्यम से अपनी पेंटिंग बना सकते हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए इच्छुक विद्यार्थी 21 जुलाई 2025 तक आवेदन कर सकते हैं। पंजीकरण के लिए प्रतिभागी क्यूआर कोड स्कैन करें या artandcul-turalafairshry@gmail.com पर ईमेल भेजें।

महम। मोखरा खेडी गांव में पौधरोपण अभियान का शुभारंभ करते गांव के सरपंच व अन्य ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

मोखरा खेड़ी में चलाया पौधरोपण अभियान

महम। दादी सती धाम ट्रस्ट मोखरा खेड़ी द्वारा एक पेड़.मां के नाम कार्यक्रम के तहत मोखरा खेड़ी गांव में पौधारोपण अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत रविवार को गांव के सार्वजनिक स्थलों पर पौधे रोपित किए गए। पौधारोपण अभियान का शुभारंभ गांव के सरपंच चांद मोखरा व दूधाधारी धाम के महंत जतनई नाथ ने पौधे लगाकर किया। कार्यक्रम के आयोजक दीपक अधिवक्ता रहे। दीपक ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को एक पेड़ अपने जीवन में अवश्य लगाना चाहिए। क्योंकि पेड़ पौधों द्वारा ही हमारे जीवन को प्राण देने वाली ऑक्सीजन प्राप्त होती है। इसलिए हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिएं। पर्यावरण की शुद्धता के लिए पेड़ पौधे जरूरी हैं। पौधारोपण कार्यक्रम के बाद प्रसाद बाटा गया। साथ ही फलदार और छायादार पेडों के पौधे वितरित किए गए।। इस अवसर पर सरपंच चांद मोखरा, पंडित ओमप्रकाश, देबल, राम स्वरूप, सतवीर फौजी, बलजीत मास्टर, ठाकुर राजवीर सिंह, प्रवीण कुमार, संदीप मोखरा, धर्मवीर खटकड़, पंडित मुकेश, सुनील कुमार, सोनू, सतीश ठाकुर, प्रीतम, धनी ठाकुर,अनिल व रोहित समेत कई ग्रामीण मौजूद थे।

अदालत ने दुष्कर्म के आरोपी पुलिस अधिकारी के पुत्र को किया बरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

- पौने 2 साल तक जेल में रहा आरोपी नवनीत नीटू
- बचाव पक्ष की ओर से वरिष्ठ वकील ओपी चुघ ने कोर्ट में की पैरवी

एडिशनल सेशन जज संदीप दुग्गल की कोर्ट ने महिला से दुष्कर्म के मामले में आरोपी पुलिस अधिकारी के पुत्र को बरी कर दिया है। महिला की ओर से लगाए गए दुष्कर्म के आरोप कोर्ट में साबित नहीं हो पाए। साथ ही एसएफएल रिपोर्ट और डीएनए भी मैच नहीं हुआ। लिहाजा कोर्ट ने इस युवक को बरी कर दिया। बचाव पक्ष की ओर से वरिष्ठ वकील ओपी चुघ ने कोर्ट में पैरवी की। रेप के आरोप की वजह से यह युवक करीब पौने 2 साल तक जेल में रहा। वकील चुघ ने रविवार को मामले की जानकारी दी।

- कोर्ट में साबित नहीं हो पाए रेप के आरोप, एसएफएल रिपोर्ट और डीएनए भी मैच नहीं हुआ
- 6 अप्रैल 2023 को महिला पुलिस स्टेशन में दर्ज हुआ था दुष्कर्म का केस

गौरतलब है कि 6 अप्रैल 2023 को बसंत विहार निवासी युवक के खिलाफ एक महिला से रेप के मामले में महिला पुलिस स्टेशन में केस दर्ज हुआ था। महिला ने बताया था कि उसकी शादी सोनीपत जिला के एक गांव निवासी व्यक्ति से हुई थी। शादी के बाद एक बेटा हुआ लेकिन पिछले 5 साल से पति से मनमुटाव चल रहा है। इस वजह से वह रोहतक में अपनी मां के घर पर रह रही है। 28 अगस्त 2020 को पति का दोस्त उसके घर पर आया। वह घर पर अकेली थी। वह अपने साथ जूस लेकर आया था। उसने जूस के गिलास में कोई नशीला पदार्थ मिला मिला दिया। यह जूस पीने के बाद उसे चक्कर आने लग गए। बेहोशी की हालत पर उसके साथ गलत काम किया गया। इस बात का पता उसे होश में आने पर चला। उसने यह बात अपनी मां को बताने की कही तो युवक ने उसे धमकी दी कि इस पूरे घटनाक्रम की वीडियो बना ली है और इसे सार्वजनिक कर देगा। साथ ही इंटरनेट पर भी लीक कर दी जाएगी। उसके लड़के को भी जान से मार देगा। यही नहीं युवक ने उके साथ शादी का भी झांसा दिया। अपनी शिकायत में इस महिला ने बताया कि 4 अप्रैल 2023 को युवक उसे अपनी मोटरसाइकिल पर बैठाकर सरकारी क्वार्टर में लेकर गया, जहां उसके साथ अश्लील छेड़छाड़ की। फिर इसके सारे घटनाक्रम की वीडियो बना ली। महिला का कहना है कि इसके बाद युवक उसे रोहतक में सेक्टर-4 की पुलिया के पास छोड़कर चला गया। वह धमकी देता कि उसके पिता पुलिस में नौकरी करते हैं। इसलिए वह कुछ नहीं बिगाड़ सकती। महिला का कहना है कि युवक ने उससे कोरे कागज पर उससे हस्ताक्षर करा लिए।

सेना के जनरल पुष्कर का भारतीय प्रबंध संस्थान रोहतक में संबोधन

राष्ट्र निर्माण के कई क्षेत्रों में सेना का महत्वपूर्ण योगदानः जनरल पुष्कर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

भारतीय प्रबंध संस्थान में सेना के लेफ्टिनेंट जनरल राजेश पुष्कर, एवीएसएम, वीएसएम ने राष्ट्र निर्माण में सशस्त्र बलों की भूमिकाः ऑपरेशन सिंदूर विषय पर सम्बोधित किया। इस सत्र में 320 अधिक छात्र और संकाय सदस्य शामिल हुए। जनरल पुष्कर ने बताया कि भारतीय सेना का योगदान केवल युद्ध तक सीमित नहीं है, बल्कि वह देश की एकता, सुरक्षा और कठिन समय में सहायता करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

कार्यक्रम की शुरुआत भारतीय प्रबंध संस्थान रोहतक के निदेशक प्रोफेसर धीरज शर्मा के स्वागत संबोधन से हुई। उन्होंने कहा कि भारत की सेना सिर्फ ताकत के लिए नहीं, बल्कि देश की आजादी और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए जानी जाती है। करगिल युद्ध का जिक्र करते हुए उन्होंने छात्रों से कहा कि वे अनुभवी लोगों से सीखें और आज के समय में सच और झूठ के बीच फर्क करना सीखें।

रोहतक। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि सेना के लेफ्टिनेंट जनरल राजेश पुष्कर को स्मृति चिन्ह देते भारतीय प्रबंध संस्थान रोहतक के निदेशक प्रोफेसर धीरज शर्मा।

लेफ्टिनेंट जनरल राजेश पुष्कर ने छात्रों से कहा कि वे बड़े सपने देखें, लेकिन हमेशा अपने उद्देश्य और ईमानदारी से जुड़े रहें। उन्होंने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के शब्द दोहराए – 'सपने वो नहीं जो नींद में आते हैं, सपने वो हैं जो आपको सोने न दें।' उन्होंने बताया कि सच्ची सफलता के लिए लगातार मेहनत और ईमानदारी जरूरी है, और सबसे महत्वपूर्ण यह है कि हम समाज के भले के लिए काम करें। 'द अलकेमिस्ट' पुस्तक का ज़िक्र करते हुए उन्होंने छात्रों से कहा कि वे सकारात्मक सोच के साथ अपने सपनों को पूरा करें और देश के प्रति समर्पित रहें।

देशभर में सशस्त्र बलों का योगदान

उन्होंने विस्तार से बताया कि सशस्त्र बलों का योगदान सिर्फ युद्ध के मैदान तक सीमित नहीं है, बल्कि वे देश निर्माण में कई तरह से योगदान देते हैं, जो कई बार नजर नहीं आता। उन्होंने बताया कि सेना रक्षा निर्यात बढ़ाने, रोजगार देने, नवाचार को बढ़ावा देने के लिए विशेष गलियारों के निर्माण, और सीमावर्ती गांवों को 'वाइब्रेंट विलेजेज़ प्रोग्राम' और 'गति शक्ति मास्टरप्लान' के ज़रिए सशक्त बनाने में भी बड़ी भूमिका निभा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि सेना शिक्षा, कौशल विकास और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में भी लगातार काम कर रही है। 1951 से राष्ट्रीय रक्षा अकादमी की शुरुआत से लेकर आज की महिला कमांडरों की उपलब्धियां इस प्रगति को दिखाती हैं। उन्होंने कहा कि जब भी देश पर संकट आता है, सेना हमेशा मजबूती से खड़ी रहती है और देश की सबसे बड़ी ताकत बनती है।

छात्र झूठे नैरेटिव से सावधान रहें

ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि यह सिर्फ एक सैन्य कार्रवाई नहीं थी, बल्कि इसका मकसद आतंकवादी संगठनों और झूठी सूचनाओं के खिलाफ कार्रवाई करना भी था। उन्होंने समझाया कि यह ऑपरेशन देश की स्थिरता बनाए रखने और बाहरी दुष्प्रचार का मुकाबला करने के लिए जरूरी था। छात्रों से कहा कि वे ऐसे झूठे नैरेटिव से सावधान रहें और देश की एकता व सेवा की भावना को हमेशा अपने अंदर बनाए रखें, चाहे शांति का समय हो या संकट का। सत्र का समापन औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ हुआ। प्रोफेसर शर्मा ने इस बात को दोहराया कि आज के समय में हमें सोच-समझकर सवाल करना चाहिए और झूठी जानकारी से सावधान रहना चाहिए। उन्होंने छात्रों को याद दिलाया कि आज के दौर में, जहां अफवाहें और झूठी बातें आसानी से फैलती हैं और जानकारी को बिना जांचे सच मान लिया जाता है, वहां जरूरी है कि हम हर जानकारी को परखें और अलग-अलग नजरिए से सोचें। उन्होंने सत्र में साझा की गई बातों का ज़िक्र करते हुए युवाओं से कहा कि वे सशस्त्र बलों से सतर्कता और ईमानदारी की सीख लें, क्योंकि राष्ट्र निर्माण एक शांत लेकिन दृढ़ प्रयास है, जिसमें साफ सोच, धैर्य और सच के पक्ष में खड़े होने का साहस होना बेहद जरूरी है।